RNI No. DLHIN/25/A2321

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 02, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

मंगलवार, 09 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव आज, मुकाबला बेहद करीबी

जीत के लिए चाहिए 391 वोट

सीपी राधाकृष्णन को 458 वोट मिलने की उम्मीद

राजेश चौहान

नई दिल्ली

लंबे इंतजार के बाद आज यानी मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सियासी हलचल तेज गई है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। हालांकि पिछली बार के मुकाबले इस बार जीत की चमक फीकी पड़ सकती है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में संसद के सभी सदस्य सीक्रेट बैलेट में वोट डालेंगे। लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद इस वोटिंग में हिस्सा लेंगे। वैसे तो सांसद अपनी मर्जी से किसी भी उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं, लेकिन ज्यादातर सदस्य पार्टी के आदेश का पालन करते हुए अपने गुट के उम्मीदवार को ही मत देते हैं।

धनखड़ को मिले थे 75 फीसदी वोट

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में क्रॉस वोटिंग भी बेहद आम है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पिछले चुनाव में बीजेपी का साथ दे चुके हैं। 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने शानदार बहुमत हासिल किया था। अपने गुट के अलावा उन्हें कांग्रेस, बीजेडी का भी समर्थन मिला था।

साउथ इंडिया से आते हैं दोनों उम्मीदवार

9 सितंबर को होने वाले चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी आमने-सामने होंगे। दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से आते हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं और इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

वहीं, रेड्डी तेलंगाना से हैं और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज भी रह चुके हैं। 67 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल में कोयंबटूर से दो बार सांसद रह चुके हैं। 79 वर्षीय सुदर्शन रेड्डी जुलाई 2011 में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए थे। वे कई अहम फैसलों के लिए चर्चित रहे, जिनमें काला धन जांच में सरकार की ढिलाई पर सख्त टिप्पणी और छत्तीसगढ़ में सलवा जुडूम को असंवैधानिक करार देना शामिल है।

जीत के लिए कितने वोट चाहिए?

वर्तमान समय की बात करें तो राज्यसभा में 239 और लोकसभा में 542 सांसद हैं। दोनों को मिलाकर सांसदों की संख्या 781 हो जाती है और उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को जीत के लिए आधे सांसदों यानी 391 वोटों की जरूरत होगी। इन आंकड़ों के अनुसार, एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत लगभग तय है।

क्रॉस वोटिंग पर बना सस्पेंस

पिछली बार की तरह इस बार भी जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने सीपी राधाकृष्णन को समर्थन देने की घोषणा की है। पास कुल 11 सांसद (7 लोकसभा और 4 राज्यसभा में) हैं। बीआरएस के पास 4 और बीजेडी के 7 सांसद हैं, लेकिन इन पार्टियों ने अभी तक अपना पक्ष साफ नहीं किया है। आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालिवाल के आप के साथ रिश्ते बेहतर नहीं हैं। ऐसे में स्वाति किसे वोट देंगी, इसपर भी सस्पेंस बना हुआ है। इसके अलावा लोकसभा में 7 निर्दलीय सांसद भी मौजूद हैं।

विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने नीतीश कटारा हत्याकांड मामले में सजायाफ्ता विकास यादव को दिल्ली उच्च न्यायालय से मिली अंतरिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने विकास यादव से कहा कि वो दिल्ली उच्च न्यायालय जाएं। दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से दी गई अंतरिम जमानत 9 सितंबर को खत्म हो रही है। सुनवाई के दौरान विकास यादव के वकील एस. गुरुकृष्णा कुमार ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के लिए चार दिन अंतरिम जमानत बढ़ा दी जाए, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इस अर्जी को नामंजूर कर दिया।

बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर लौटे सैनी

हर किसी को राहत देने का एलान, मृतकों के परिजनों को 4 लाख की सहायता

किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार मुआवजा, ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल 15 सितंबर तक खुला

शिवानी ठाकुर

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित जिलों का दौरा करने के बाद कहा कि राज्य के लोग इस समय भारी बारिश और बाढ़ से पैदा हुई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हरियाणा सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ राहत कार्यों में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसी भी नागरिक को राहत से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने नुकसान के मानक तय करते हुए घोषणा की है कि प्रभावित किसानों को 15 हजार प्रति एकड़ की दर तक खराब हुई फसल का मुआवजा मिलेगा तथा मकानों के नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन लोगों के पास घर नहीं बचे हैं, उनके लिए राहत शिविर लगाए जा रहे हैं। अंबाला, पंचकूला, हिसार, रोहतक, कुरुक्षेत्र, सिरसा और फतेहाबाद जिलों का दौरा कर चंडीगढ़ लौटे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बाढ़ और जलभराव से नागरिकों को हुई कठिनाइयों को कम करने के लिए राज्य सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया है। अब तक 2897 गांवों के 1 लाख 69 हजार 738 किसानों ने 9 लाख 96 हजार 701 एकड़ क्षेत्र में खराब हुई फसलों का पंजीकरण करवाया है। 15 सितंबर तक पोर्टल खुला रहेगा। तब तक किसान अपनी खराब हुई फसलों की पूरी जानकारी पोर्टल पर दे सकते हैं।

भारत को अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें: मुर्मु

भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) इंडिया के सभी हितधारक देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके भारत को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें। \राष्ट्रपति मुर्मु ने यहां आयोजित ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीनकाल में भारत अध्यात्म और व्यापार दोनों क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व करता था। भारत को एक बार फिर ज्ञान और व्यापार का अग्रणी केंद्र बनाना सभी नागरिकों का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते ईईपीसी से आग्रह किया कि वह इस संकल्प को पूरी दृढ़ता से आगे बढ़ाए। उन्होंने खुशी जताई कि पिछले 10 वर्षों में भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चुनौतियों के बावजूद यह उपलब्धि उल्लेखनीय है।

'ईईपीसी अंतरराष्ट्रीय बाजार-भारतीय उत्पादकों के बीच सेतु का कार्य करता है'

राष्ट्रपति ने इस उपलब्धि में योगदान के लिए ईईपीसी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ईईपीसी अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच सेतु का कार्य करता है। विश्व व्यापार व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक ढांचे में हो रहे बदलावों के बीच इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को भारत को अवसर में बदलना होगा।

मेहुल चोकसी को ऑर्थर जेल में साफ टॉयलेट, पानी मिलेगा

नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक के ?13,850 करोड़ के फ्रॉड के आरोपी और भगोड़ा बिजनेसमैन को बेल्जियम से भारत लाने की कोशिश जारी हैं। केंद्र ने बेल्जियम सरकार को एक लेटर में बताया कि चोकसी को मुंबई के आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा। वहां एक कोठरी में 6 लोगों के रहने की क्षमता है। लेटर में कहा गया कि अगर चोकसी को बेल्जियम से भारत लाए जाता है, तो उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा। उसे 14 से ज्यादा सुविधाएं देने का भरोसा दिया है। हालांकि, केंद्र ने चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए यह पत्र कब लिखा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर, चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। वह और उसका भतीजा नीरव मोदी, धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी हैं। भगोड़ा नीरव लंदन में है। उसके प्रत्यर्पण के लिए भी कोशिशें जारी हैं। दोनों ने 2018 में भारत छोड़ दिया था।

लेटर में कहा- मुंबई में गर्मी कम, इसलिए जेल में एसी नहीं

गृह मंत्रालय ने बताया कि लेटर भेजे जाने तक आर्थर जेल में बैरक नंबर-12 की 2 कोठरियां खाली थीं। कोठरियों में ग्रिल वाली खिड़कियां, वेंटिलेटर और सीलिंग फैन लगे हैं। मुंबई का मौसम आमतौर पर साल भर सुहावना रहता है और ज्यादा गर्मी नहीं होती। इसलिए, कोठरियों में एयर कंडीशनिंग की सुविधा नहीं है। आमतौर पर इसकी जरूरत भी नहीं होती।'

एसआईआरः आधार को बनाएं 12वां दस्तावेजः सुप्रीम कोर्ट

आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र, पर नागरिकता के लिए नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली
बिहार चुनाव नजदीक आने के साथ ही स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) का मुद्दा लगातार तूल पकड़ रहा है। कई लोगों का नाम मतदाता सूची से बाहर होने का दावा किया जा रहा है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के मतदाताओं के लिए राहत का फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि आधार कार्ड को भी 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने रक्फ़ के तहत बिहार के सभी नागरिकों से नागरिकता प्रमाण पत्र दिखाने की मांग की थी। इसके लिए चुनाव आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की थी, जिनसे नागरिकता सिद्ध की जा सकती है। मगर, अब सुप्रीम कोर्ट ने 12वें दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड को जोड़ने का आदेश दिया है। एसआईआर पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को सूची में जगह दी जा सकती है। हालांकि, इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसलिए चुनाव आयोग अगर चाहे तो आधार कार्ड की प्रामाणिकता और वास्तविकता की जांच कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- आधार को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करे चुनाव आयोग
चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का निर्देश जारी किया है।

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता।

आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार

चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ- 'आधार कार्ड नागरिकता का सबूत नहीं'
चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने सबमिशन दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता के सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर जस्टिस बागची ने भी साफ किया कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र को छोड़कर, चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध किए गए 11 दस्तावेज भी नागरिकता के सबूत नहीं माने जाएंगे।

दिल्ली दंगा: अब जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं गुलफिशा

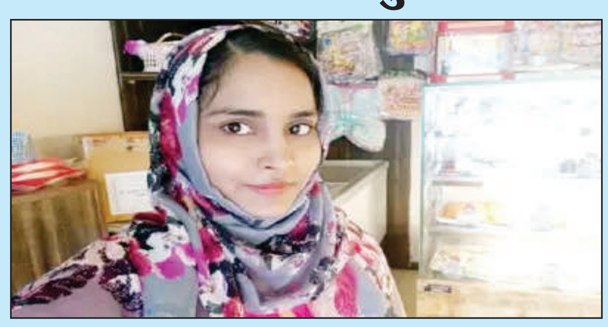

नई दिल्ली
दिल्ली में दंगों की साजिश रचने के आरोपित शरजील इमाम के बाद अब दूसरी आरोपित गुलफिशा फातिमा ने भी उच्चतम न्यायालय में जमानत याचिका दायर की है। शरजील इमाम और गुलफिशा फातिमा दोनों ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच ने 2 सितंबर को दिल्ली दंगों की साजिश रचने के नौ आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इन आरोपितों में अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद हैं। जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि अगर आरोपित देश के खिलाफ कार्रवाई करें, तो उनके लिए बेहतर जगह जेल ही है। मेहता ने कहा था कि दिल्ली में दंगे पूर्व नियोजित थे। दंगों की जिस तरह से योजना बनाई गई थी वो किसी को जमानत का हक नहीं देता है। ये कोई साधारण अपराध नहीं है, बल्कि सुनियोजित दंगों की साजिश रचने का मामला है। मेहता ने कहा था कि दंगों की साजिश रचने के आरोपित इसका प्रभाव पूरे देश में देखना चाहते थे। इस मामले के आरोपित उमर खालिद की ओर से कहा गया था कि महज व्हाट्स ऐप ग्रुप का सदस्य होना किसी अपराध में शामिल होने का सबूत नहीं है।

दुर्घटना में बच्चे के दिव्यांग होने पर मिलेगा 4 गुना मुआवजा

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के एक दुर्घटना क्लेम मामले में सुनवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा है कि दुर्घटना में बच्चे की मृत्यु या उसके स्थायी रूप से दिव्यांग होने पर क्षतिपूर्ति की गणना उसे कुशल श्रमिक मानते हुए की जाएगी। राज्य में दुर्घटना के समय कुशल श्रमिक का जो न्यूनतम वेतन होगा, उसे ही बच्चे की आय माना जाएगा। दावेदार व्यक्ति को न्यायाधिकरण के समक्ष न्यूनतम वेतन के संबंध में दस्तावेज पेश करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "अगर वह ऐसा नहीं कर पाता है तो इन दस्तावेजों को पेश करने की जिम्मेदारी बीमा कंपनी की होगी। फैसले की प्रति सभी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरणों को भेजी जाए, ताकि निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो सके।"

सुप्रीम कोर्ट के आदेश में क्या?
बता दें कि अब तक दुर्घटना में बच्चे की मृत्यु या उसके स्थायी दिव्यांग होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति की गणना नोशन इनकम (काल्पनिक आय, वर्तमान में 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष) के हिसाब से की जाती है। अब राज्य में कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन के हिसाब से क्षतिपूर्ति मिलेगी। वर्तमान में मध्य प्रदेश में कुशल श्रमिक का न्यूनतम वेतन 14844 मासिक यानी 495 रुपये प्रतिदिन निर्धारित है।

कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन को ही मानें बच्चे की आय
कोर्ट ने फैसले की प्रति सभी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरणों को भेजने का दिया निर्देश
ऐसे सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला?
14 अक्टूबर 2012 को इंदौर निवासी आठ वर्षीय हितेश पटेल पिता के साथ सड़क पर खड़ा था, तभी एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हितेश को गंभीर चोट आई।

भगवान गणेश की प्रतिमा के विसर्जन के दौरान झड़प

मांड्या (कर्नाटक)
कर्नाटक के मांड्या में भगवान गणेश की प्रतिमा के विसर्जन के दौरान झड़प की खबर है। पुलिस ने बताया कि विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक झड़पों के बाद मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में तनाव फैल गया। दूसरे समुदाय के उपद्रवियों की ओर से कथित तौर पर पथराव किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इससे इलाके में व्यापक अशांति फैल गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह झड़प तब शुरू हुई, जब लोग राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन जुलूस में हिस्सा ले रहे थे। दोनों समुदायों के युवकों के बीच झड़पें हुईं, जिसके बाद पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा। पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

कर्नाटक सरकार ने क्या कहा?
कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि 7 सितंबर को गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद मद्दुर कस्बे में स्थिति नियंत्रण में है। शहर में तनाव बढ़ने पर निषेधाज्ञा लागू कर दी गई और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। दरअसल, रविवार को राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव के बाद झड़पें शुरू हो गईं।

भाजपा ने क्या कहा?
मामले में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, '...यह कहीं न कहीं वोट बैंक की राजनीति से जुड़ा है। वोट बैंक की राजनीति से प्रभावित होकर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती। इस तरह की घटनाएं यूपी और एमपी में क्यों नहीं होतीं?'

हरिद्वार-मोतीचूर ट्रैक पर पत्थर गिरने से 6 ट्रेनें रद्द, 13 आंशिक रूप से प्रभावित

नई दिल्ली
हरिद्वार जंक्शन और मोतीचूर स्टेशन के बीच ट्रैक पर पत्थर गिरने के कारण उत्तर रेलवे ने सोमवार को 6 ट्रेनों को रद्द कर दिया, जबकि 13 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट, शॉर्ट-ओरिजिनेट अथवा पुनर्निर्धारित किया गया है। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा से पहले एनटीईएस पोर्टल या 139 नंबर पर कॉल कर जानकारी अवश्य लें। रेलवे के बुलेटिन के अनुसार रद्द की गई ट्रेनों में रेलगाड़ी संख्या 22458 देहरादून-आनंद विहार टर्मिनल, रेलगाड़ी संख्या 54342 देहरादून-सहारनपुर प्रभावित है।

उपराष्ट्रपति चुनाव: बीजेडी-बीआरएस मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे

नई दिल्ली
कल देश के नए उपराष्ट्रपति के नाम का एलान हो जाएगा। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी सी. पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। इस बीच, दो राजनैतिक दलों ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का एलान किया है। इन दलों में बीआरएस और बीजू जनता दल शामिल हैं। बता दें कि जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था, जिस कारण रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव कराया जा रहा है। अब कल यानी नौ सितंबर को यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

बीआरएस और बीजद उपराष्ट्रपति पद के मतदान में नहीं शामिल
उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से ठीक एक दिन पहले बीआरएस और बीजू जनता दल ने चौंकाने वाला एलान किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कहा कि उनकी पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी। इसी तरह बीजद ने भी ऐसी ही घोषणा की है। बीजद के नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगा। उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के बीच सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष के इंडिया गठबंधन दोनों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। यह एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच एक तरह से शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बीजद और बीआरएस के चुनाव से हटने के बाद भी अभी तक अकाली दल, जेडपीएम और वीओटीटीपी के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय सांसदों ने अभी तक पसंद का स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। एनडीए के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को बहुमत मिलने के स्पष्ट संकेत हैं।

अब परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर... ड्रोन हमलों के लिए तैयार है सेना; बॉर्डर पर लगेगा एडवांस रडार

उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर एडवांस रडार सिस्टम लगेगा, एंटी-ड्रोन रडार सिस्टम मुश्किल से मुश्किल टारगेट को भी ट्रैक कर सकेगा, 50 किलोमीटर की रेंज में 100 टारगेट को एक-साथ करेगा ट्रैक

नई दिल्ली
ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने रात के अंधेरे में भारत पर कई ड्रोन हमले किए थे। इनमें से ज्यादातर ड्रोनों को सेना ने हवा में ही मार गिराया था, लेकिन कुछ ड्रोन सीमा पार कर रिहायशी इलाकों तक पहुंचने में कामयाब रहे थे। अब सेना ने हर तरह से दुश्मन को नेस्तनाबूद करने का फैसला किया है। भारतीय सेना उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर एडवांस रडार सिस्टम स्थापित करने की तैयारी में है। इस रडार का सर्विलांस नेटवर्क बेहद मजबूत होगा, जो मुश्किल से मुश्किल हवाई हमलों को भी ढूंढ कर ट्रैक करेगा और फिर उन्हें हवा में ही मार गिराएगा।

अकाशतीर से होगा इंटीग्रेट
नए रडार सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह रडार क्रॉस सेक्शन (फ्छर) की मदद से टारगेट को ढूंढने से लेकर ट्रैक करने और उसे खत्म करने का काम करेगा। इस एडवांस रडार सिस्टम को सेना के अकाशतीर एअर डिफेंस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। सेना ने ड्रोन को लेकर सप्लायर्स से जानकारी मांगी है। इनमें 45 लो लेवल लाइट वेट रडार और 48 एअर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार-ड्रोन डिटेक्टर्स शामिल हैं।

ट्रंप टैरिफ का तोड़ निकालने के लिए भारत-ईयू आए साथ!

नई दिल्ली
भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब रफ्तार पकड़ रही है। नई दिल्ली में 8 सितंबर से शुरू होने वाली 13वीं दौर की वार्ता में दोनों पक्ष गंभीर मसलों पर ध्यान देंगे। गैर-टैरिफ रुकावटें, बाजार में पहुंच, और सरकारी खरीद जैसे मुद्दे इस बार चर्चा का केंद्र होंगे। दोनों पक्षों का मकसद इस साल के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना है, ताकि वैश्विक व्यापार में नई मिसाल कायम हो सके। यह समझौता न सिर्फ व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि दोनों के बीच रणनीतिक रिश्तों को भी मजबूत करेगा। इसके साथ ही, भारत और ईयू 2026 की पहली तिमाही में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की तैयारियों में जुटे हैं। इस सम्मेलन में कई अहम फैसले और घोषणाएं होने की उम्मीद है। दोनों पक्षों के बीच नई दिल्ली और ब्रसेल्स में कई मुलाकातें तय हैं, जो इस समझौते को और मजबूती देंगी। खास तौर पर अमेरिका की टैरिफ नीतियों से पैदा हुई उथल-पुथल ने इस समझौते को और अहम बना दिया है।

वार्ता में क्या-क्या शामिल?
13वीं और 14वीं दौर की बातचीत में तकनीकी रुकावटें, सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी मसले, बाजार में पहुँच, मूल नियम, और सरकारी खरीद जैसे अहम मुद्दों पर जोर होगा। अब तक 23 में से 11 अध्यायों पर सहमति बन चुकी है, जिनमें बौद्धिक संपदा, सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार, और धोखाधड़ी-रोधी उपाय शामिल हैं। पूंजी आवाजाही पर एक और अध्याय जल्द पूरा होने वाला है। दोनों पक्ष जुलाई में आदान-प्रदान किए गए सेवाओं और निवेश के प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं, ताकि सही संतुलन बनाया जा सके। भारत ने चावल, चीनी, और डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को समझौते से बाहर रखा है, जबकि ईयू ऑटोमोबाइल और स्पिरिट्स के लिए बाजार में पहुंच चाहता है।

इसके अलावा, अमेरिका की ओर से झींगा जैसे समुद्री उत्पादों पर टैरिफ दोगुना करने के बाद, ईयू भारत के एक्वाकल्चर निर्यात को बढ़ावा देने पर विचार कर रहा है। पिछले साल भारत ने अमेरिका को 2.8 अरब डॉलर के झींगे निर्यात किए थे। भारत और ईयू के बीच सिर्फ व्यापार ही नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोग भी गहरा हो रहा है।

शशि थरूर ने जीएसटी में सुधारों का किया समर्थन

नई दिल्ली
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व वाली जीएसटी काउंसिल ने टैक्स सुधार करते हुए देश के आम लोगों को बड़ी राहत दी है। जीएसटी सुधारों के बाद अब चार की जगह केवल दो स्लैब्स होंगे। इस बीच जीएसटी सुधारों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर की प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल, हाल के दिनों में ही जीएसटी रिफॉर्म के माध्यम से केंद्र सरकार ने देशवासियों को एक बड़ी राहत दी है। इन सुधारों के बाद अब चार स्लैब्स की जगह सिर्फ पांच और 18 फीसदी के दो ही जीएसटी स्लैब्स होंगे। नए सुधार 22 सितंबर से लागू होने जा रहे हैं।

जीएसटी सुधारों पर शशि थरूर की प्रतिक्रिया
जीएसटी सुधारों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि अब मुझे लगता है कि यह एक ज्यादा निष्पक्ष व्यवस्था है और हमें उम्मीद है कि यह सभी के लिए बेहतर होगी। शशि थरूर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में हम कई सालों से इसकी मांग कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमारे नेता चार दरों से कम से कम दो, या आदर्श रूप से एक, एक दिन करने की जरूरत पर जोर दे रहे हैं, क्योंकि यह वास्तव में लोगों के साथ अन्याय है।

सभी के लिए बेहतर है ये व्यवस्थाः थरूर
थरूर ने कहा कि जब चार दरें थीं, तो यह भ्रामक और कठिन था। लोग इससे खुश नहीं थे। इसलिए अब मुझे लगता है कि यह एक ज्यादा निष्पक्ष व्यवस्था है।

होमवर्क का बदला तरीका, क्रिएटिव कामों पर बढ़ा स्कूलों का फोकस

नई दिल्ली
स्कूलों में होमवर्क के नाम पर बच्चों को दिए जानेवाले भारी भरकम कामों के दिन लदने लगे हैं। स्कूलों का जोर इस तरह के होमवर्क पर है, जिसे करने में बच्चों का ज्यादा समय न लगे और उनको खुशी भी मिले। साथ ही साथ कुछ नया सीखकर उस पर अमल करने के लिए बच्चों को रचनात्मक कामों में भी लगाने पर स्कूलों ने फोकस बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारी भरकम होमवर्क से बच्चों की रचनात्मकता खत्म होने लगी थी। छात्रों को मिलनेवाले भारी भरकम होमवर्क को लेकर पूरे देश में च्चता जताई जाती थी। 2018 में वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी भारतीय छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जबकि सीखने में कोई खास फायदा नहीं होता। साथ ही छात्रों का तीन से चार घंटे का कीमती समय होमवर्क करने में चला जाता है।

किसानों के लिए वरदान साबित हो रही फसल बीमा, आंकड़े दे रहे गवाही

नई दिल्ली
कई राज्यों में वर्षा और बाढ़ के कारण जन-धन की भारी हानि हुई है। विशेषकर फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। प्रकृति की इस मार से टूट चुके किसानों में वे लोग राहत में हैं, जिन्होंने अपनी फसलों का बीमा कराया है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अलावा कुछ राज्यों की अपनी फसल बीमा योजना है। **आइये जानें क्या है राज्यों की स्थितिः**

किसानों के लिए बनी मददगारः 2017 के खरीफ सीजन से लागू इस योजना ने पिछले वर्षों में प्रीमियम और दावों के निपटान में उल्लेखनीय वृद्धि की है। योजना के पहले वर्ष यानी 2017 में 10 जिलों के 1,58,972 किसानों को कवर किया गया, लेकिन 2018-19 में संख्या घटकर 1,53,772 रह गई। 2023-24 में सभी 20 जिलों के बीमित किसानों की संख्या 2,45,628 हो गई।

बिहार
नहीं लगता कोई प्रीमियमः बिहार में केवल मुख्यमंत्री फसल सहायता योजना लागू है, जिसमें प्रभावित क्षेत्र के सभी किसान कवर होते हैं। कोई प्रीमियम नहीं लगता। बंगाल में कृषक बंधु योजना के तहत किसानों को 10,000 रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं। फसलों के लिए बांग्ला शस्य बीमा योजना है, जो निश्शुल्क है। बंगाल में किसान, भूमि स्वामी के साथ बटाईदार भी आवेदन कर सकते हैं।

पंजाब
कोई बीमा योजना नहींः पंजाब में फसली बीमा योजना का कोई प्रविधान नहीं है। वर्ष 2015 में जब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू हुई, तब पंजाब ने इसे अपनाने से मना कर दिया। 2017 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने अपनी योजना का प्रस्ताव रखा, लेकिन कोरोना के कारण वह क्रियान्वित नहीं हो सकी। वर्तमान में हालत में फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए योजना को लागू करने की चर्चा शुरू हो गई है।

उत्तराखंड
मौसम आधारित फसल बीमा योजना भीः उत्तराखंड में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2016 से लागू है। राज्य में मौसम आधारित फसल बीमा योजना भी लागू है, जिसमें 77,327 किसान शामिल हैं। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी और एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस नामित की गई हैं। कृषि विभाग के अनुसार, कृषि को 339.47 हेक्टेयर और बागवानी को 11,272.74 हेक्टेयर क्षेत्र में नुकसान हुआ है।

मध्य प्रदेश
55 जिलों में लागूः मध्य प्रदेश के 55 जिलों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू है। यहां कुल एक करोड़ 10 लाख किसान हैं, जिनमें से 90 लाख किसान इस योजना का लाभ ले रहे हैं।

राजस्थान
सर्वे करने के निर्देशः कृषि मंत्री ने सर्वे के लिए निर्देश दिए हैं। पीएमएफबीवाई में 74 लाख किसानों को लाभमिल रहा है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत तीन हजार देती है।

जीएसटी सुधारों का असर, त्योहारी सीजन में ऑनलाइन खरीदारी को मिलेगी 115% तक की उछाल

नई दिल्ली
जीएसटी दरों में सरकार की तरफ से किए गए सुधारों का असर त्योहारों की खरीदारी पर दिख सकता है। लोकल सर्किल्स के देश भर के 319 शहरों में 44 हजार लोगों से मिली दो लाख से ज्यादा प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार रिपोर्ट में ये गुलाबी तस्वीर नजर आ रही है। सर्वे के मुताबिक, लोग ऑनलाइन खरीदारी को तरजीह देंगे और इसमें 115 प्रतिशत का रिकॉर्ड उछाल देखने को मिल सकती है। इस साल 37 प्रतिशत लोग त्योहारों में 20 हजार रुपये से ज्यादा खर्च कर सकते हैं। पिछले साल ये आंकड़ा 26 प्रतिशत ही था।

कितने करोड़ होंगे खर्च?
ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर सामानों की उपलब्धता, चुनने की सुविधा, रिटर्न और रिफंड में सहूलियत और फास्ट डिलीवरी की वजह से ज्यादा से ज्यादा लोग इस ओर रुख कर रहे हैं। माना जा रहा है कि जीएसटी सुधारों से बने माहौल की वजह से इस साल लोग खरीदारी पर 2.19 लाख करोड़ रुपये खर्च कर सकते हैं। पिछले त्योहारी सीजन के 1.85 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 18 प्रतिशत अधिक खरीदारी का अनुमान है।लोकल सर्किल्स के संस्थापक सचिन तापड़िया ने कहा कि साल 2025 उपभोक्ताओं के लिए अनूठा त्योहारी सीजन हो सकता है।

तेजी से कम हो रहा है पानी; लेकिन बीमारियों का खतरा, हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे सामान्य मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि दिल्ली से जल निकासी करीब चार गुना ज्यादा हो रहा

दिल्ली में यमुना का जलस्तर घटा ...मुश्किलें नहीं

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से नीचे

इस बार भी जलभराव की स्थिति लंबी खिंच सकती है

शिवानी कौर बमराह
नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे पहुंच गई है। इससे नदी में पानी तेजी से कम हो रहा है। हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे सामान्य मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि दिल्ली से जल निकासी करीब चार गुना ज्यादा हो रहा है। इससे एक-दो दिन में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जन जीवन सामान्य हो जाने की उम्मीद है। बाढ़ प्रभावित इलाके यमुना बाजार, मॉनेस्ट्री मार्केट से गाद निकाली जा रही है। लोगों के घरों में तीन-चार फुट तक गाद जमा है। इस सीजन में 4 अगस्त को यमुना का अधिकतम जलस्तर 207.48 मीटर तक पहुंचा, लेकिन तीन दिन बाद 7 अगस्त को ही स्थिति फिर से सामान्य होती नजर आई। 2023 में आई बाढ़ को देखते हुए ये माना जा रहा था कि इस बार भी जलभराव की स्थिति लंबी खिंच सकती है, लेकिन पहले से बाढ़ की तैयारियां पूरी होने के कारण स्थिति जल्दी सुधरती दिख रही है।

बाढ़ से निपटने की तैयारियां रहीं कारगर

आईटीओ सहित दिल्ली के सभी बैराज के गेट पहले ही पूरी तरह खोल दिए गए। इससे यमुना के बहाव में अवरोध नहीं पैदा हुआ। पिछली बाढ़ के लिए आईटीओ बैराज के बंद पड़े चार गेट और नदी के बहाव वाले रास्ते में दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना के कारण पड़ी मिट्टी और निर्माण कचरा, बड़ी बाधा बने थे। इस कारण दिल्ली को बड़े पैमाने पर बाढ़ की मार झेलनी पड़ी।

आईटीओ और रिंग रोड पर नहीं बंद हुआ ट्रैफिक

आईटीओ चौराहे पर करीब दो महीने पहले सीवेज सिस्टम को नए सिरे से बदला गया। इस कारण इस बार यमुना में बाढ़ के दौरान इस जगह पर सीवेज ओवरफ्लो के कारण जलभराव नहीं हुआ। 2023 में आईटीओ चौराहे से लेकर राजघाट-सराय काले खां फ्लाईओवर तक सड़क तालाब की तरह दिखती थी। कई बार ज्यादा जलभराव के कारण इस रूट पर ट्रैफिक भी बंद करना पड़ा। इस बार यहां बिल्कुल जलभराव नहीं हुआ। इसी तरह से रिंग रोड पर इस बार करीब 20 घंटे जलभराव हुआ, लेकिन पंपों की मदद से पानी जल्द हटाया गया। इस बीच यहां से ट्रैफिक लगातार चलता रहा।

चार गुना पानी दिल्ली से हो रहा खाली

मौजूदा समय हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे करीब 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा, जबकि दिल्ली में ओखला बैराज से हर घंटे में एक लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। इससे उम्मीद है कि सोमवार को यमुना का बहाव भी धीमा नजर आएगा। शाम 7 बजे तक यमुना का जलस्तर 205.38 दर्ज किया गया। पानी हर घंटे करीब दो सेमी नीचे खिसक रहा है।

यमुना का जलस्तर कम होने से थोड़ी राहत तो जरूर मिली है लेकिन...

यमुना का जलस्तर कम होने से थोड़ी राहत तो जरूर मिली है लेकिन मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए बिना संसाधन के टेंट में रात-दिन गुजारना परेशानी का सबब बनता जा रहा है। जलस्तर कम होते ही लोग पानी में गोता लगाते हुए अपने घरों की ओर जा रहे हैं ताकि बचा हुआ सामान निकाल सकें। पीड़ितों का कहना है कि बाढ़ की वजह से जो कुछ भी था, सब बर्बाद हो चुका है।

अब संसाधनों की कमी है। यमुना खादर निवासी सुमित कुमार ने बताया कि बाढ़ में सब कुछ खो दिया है। यहां तक कि जो जरूरी कागजात थे, जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और स्कूल की मार्कशीट के साथ अन्य सभी जरूरी प्रमाण पत्र सब यमुना में बह गए। वहीं, पुराना उस्मानपुर निवासी लवकुश ने बताया कि इन टेंटों में जिंदगी बसर करना बहुत मुश्किल है।

अब अदालत में गवाही के लिए पुलिस अधिकारी का आना अनिवार्य

अजीज सैफी
नई दिल्ली

अदालत में सुनवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों को मिलने वाली छूट का विवाद अब थमता नजर आ रहा है। वकीलों के विरोध के चलते एलजी के इस आदेश को निरस्त करने पर सहमति बन गई है। इसीलिए अब से सभी पुलिस अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से अदालत में उपस्थित होकर गवाही देंगे। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली बार एसोसिएशन की कोऑर्डिनेशन कमेटी की लंबित मांग का स्वीकार कर लिया गया है। अब से सभी पुलिस अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से अदालत में उपस्थित होकर गवाही देंगे। इससे पहले वकीलों ने पुलिसकर्मियों की गवाही को लेकर अदालत में गैर-उपस्थिति के विरोध में सोमवार को सभी जिला अदालतों में कामकाज पूरी तरह ठप रखने का निर्णय लिया था।

वकीलों के इस विरोध से आमजनों को अदालती कार्यवाही के लिए भटकना पड़ रहा था। लोगों की दिक्कत को देखते हुए एवं मामले का अंत न होता देख, यह मांग स्वीकार की गई है। पुलिस द्वारा थानों से अदालतों में वर्चुअल तरीके से साक्ष्य प्रस्तुत करने के मुद्दे पर समिति की एक बैठक हुई। पत्र में कहा गया था कि हम अपनी मांग पर अड़े हैं और दोहराते हैं कि पुलिसकर्मियों को गवाही व साक्ष्य के लिए अदालतों में केवल प्रत्यक्ष रूप से ही उपस्थित होना होगा। एनडीबीए के सचिव तरुण राणा ने कहा कि शनिवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का एक पत्र मिला, जो दिल्ली के सभी जिला अदालत बार संघों के अध्यक्षों और सचिवों को संबोधित है।

झपटमार: 48 घंटे में दबोचे गए शातिर आरोपी

नई दिल्ली

दिल्ली में थाना सब्जी मंडी पुलिस टीम ने 48 घंटे के भीतर तीस हजारी कोर्ट के पास से ट्रांसपोर्टर का मोबाइल झपटने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वहीं, पकड़े गए आरोपियों की पहचान हशनाइन उर्फ हसनैन और अब्दुल साहिब के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक झपटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल एक स्कूटी बरामद की है। शिकायतकर्ता देव दत्त सिंह राणा ने तीस हजारी के गेट नंबर 5 से स्कूटी सवार दो बदमाशों द्वारा मोबाइल फोन झपटमारी की शिकायत दर्ज कराई थी। कार्रवाई करते हुए टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाल दोनों आरोपितों की पहचान कर उन्हें बल्लीमारान से दबोच लिया।

अब दिल्ली में निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए सख्त नियम

मनीषा
नई दिल्ली

निर्माण स्थलों पर सेंसर और विंड ब्रेकर से धूल नियंत्रित करनी होगी

दिल्ली में निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए अब सेंसर और विंड बैरियर या ब्रेकर की मदद भी ली जाएगी। एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर तो रहेंगे ही। विशेष बात यह कि इस निमित्त 27 मानकों को घटाकर 12 कर दिया गया है। दरअसल, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए पूर्व निर्धारित 27 मानकों में बदलाव किया है। मिलते-जुलते, अव्यवहारिक और निर्माण परियोजनाओं के समय पर पूरा होने में बाधा बनने वाले मानकों को हटा दिया गया है। सभी नए मानक भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। डीपीसीसी अधिकारियों ने बताया कि चूंकि धूल प्रदूषण में पीएम 2.5 और पीएम 10 के कण भी काफी मात्रा में रहते हैं। इसीलिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देश पर डीपीसीसी ने एक डस्ट पोर्टल शुरू किया था। इस पोर्टल पर 500 वर्ग मीटर से बडे सभी निर्माण स्थलों के लिए अपना पंजीकरण करवाना अनिवार्य किया गया। उनके लिए धूल नियंत्रण के 27 मानक तय किए गए और हर पखवाड़े उनकी अनुपालना रिपोर्ट जमा कराना जरूरी किया गया, भाजपा सरकार बनने के बाद जब डीपीसीसी के अधिकारियों ने पिछले दिनों इन मानकों की समीक्षा की तो उनमें आधे से अधिक बेमानी पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, मानकों का मतलब सही मायने में धूल नियंत्रण करना होना चाहिए, न कि निर्माण करने वालों को परेशान करना। इसीलिए अब केवल जरूरी व व्यावहारिक मानक ही रखे गए हैं, शेष हटा दिए गए। अधिकारियों के मुताबिक निर्माण स्थल संचालकों को इन सभी मानकों का पालन सुनिश्चित होने के प्रमाण देते हुए हर पखवाड़े रिपोर्ट भी जमा करानी होगी।

इन मानकों का करना होगा पालन

निर्माण स्थल पर लो कास्ट पीएम 2.5 और पीएम 10 सेंसर लगाकर उन्हें डीपीसीसी पोर्टल पर क्लाउड स्टोरेज प्लेटफार्म पर लाइव डेशबोर्ड के साथ जोड़ना होगा।

रिमोट कनेक्टिविटी के साथ निर्माण स्थल पर वीडियो कैमरा लगाकर पोर्टल से जोड़ना होगा।

स्वयं की ओर से धूल नियंत्रण के लिए किए गए उपायों की जानकारी देनी होगी।

अधिकतम 10 मीटर ऊंचाई वाले विंड बैरियर या ब्रेकर लगाने होंगे।

निर्माण स्थल के आकार के अनुपात में एंटी स्माग गन तैनात करनी होंगी। यह भी बताना होगा।

निर्माण स्थल को साइडों से ग्रीन नेट से ढका गया है या नहीं।

मलबे या निर्माण सामग्री को तिरपाल से ढका जा रहा है या नहीं।

लाल किला परिसर से चोरी हुआ एक करोड़ का कलश बरामद

आरोपी के पास से कीमती कलश भी बरामद कर लिया गया है

नई दिल्ली/हापुड़

लाल किला के सामने 15 अगस्त पार्क में चल रहे जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ से अधिक कीमत का कलश चोरी मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से कीमती कलश भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी का नाम भूषण वर्मा है और वो हापुड़ का रहने वाला बताया जा रहा है। बता दें कि आरोपी की तलाश के लिए 10 टीमों का गठन कर दिया था। शुरूआत में चार टीमों को ही जांच में लगाया गया था। जिले के स्पेशल स्टाफ, एएटीएस, एंटी नारकोटिक्स सेल समेत तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों को आरोपी की तलाश में लगा दिया गया।दरअसल, कलश चोरी होने के बाद जैन समाज में भारी रोष था।

डूसू चुनाव में एसैप ने गारंटी बांड की शर्त का किया विरोध

आशु बिधूड़ी ने इसे डूसू संविधान और लिंगदोह समिति के खिलाफ बताया

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन एसोसिएशन आफ स्टूडेंट्स फार अल्टरनेटिव पालिटिक्स (एसैप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्र संघ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से माता-पिता के हस्ताक्षर सहित एक लाख रुपये का गारंटी बांड जमा कराने की शर्त का कड़ा विरोध किया है। एसैप की राष्ट्रीय संयोजक ईशना गुप्ता ने कहा कि कोर्ट ने पहले डीयू के एक लाख रुपये के बांड जमा कराने के आदेश को रद किया था, लेकिन अब प्रशासन ने छात्रों पर गारंटी बांड की नई शर्त थोप दी है। ह्लजिन छात्रों के माता-पिता दिल्ली के बाहर रहते हैं, वे 10 सितंबर तक यह बांड कैसे जमा करेंगे? यह शर्त गरीब और महिला छात्रों की भागीदारी घटाएगी। ईशना ने आरोप लगाया कि यह कदम छात्रों को और उनके माता-पिता को डराने के लिए है। बांड में माता-पिता के बैंक खाते की जानकारी, व्यक्तिगत विवरण और एक लाख रुपये तक भुगतान करने की गारंटी देनी होगी। इससे कई माता-पिता हस्ताक्षर करने से मना कर सकते हैं, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी प्रभावित होगी।

फोटोः शिव ठाकुर

एसैप के वरिष्ठ सदस्य आशु बिधूड़ी ने कहा कि यह नियम न तो डूसू संविधान में है और न ही लिंगदोह समिति के दिशा-निर्देशों में। विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारी छात्रों पर डाल रहा है।

दिल्ली में अवैध जींस रंगाई यूनिट्स पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में चल रही अवैध जींस रंगाई यूनिट से जुड़े मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (डीपीसीसी) ने आवेदनकर्ता को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी)द्वारा दाखिल की गई रिपोर्ट पर सवाल उठातने वाले आवेदनकर्ता को आपत्तियां पेश करने की अनुमति दी है। जब आवेदनकर्ता ने आरोप लगाया कि रिपोर्ट में दिए गए जियो-कोआर्डिनेट्स गलत हैं।

देवरानी की दहेज के लिए गला घोंटकर हत्या, फरार कौशल्या गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली में दहेज के लिए देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने में शामिल भगोड़ा घोषित महिला को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला पिछले पांच साल फरार थी। इसकी पहचान बदायूं, यूपी की कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

बच्चा चोरों का इंटरस्टेट गिरोह बेनकाब, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली

राजधानी की दक्षिण-पूर्व जिले की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने बच्चों के अपहरण और तस्करी में लिप्त एक बड़े गिरोह का सोमवार को भंडाफोड़ किया। वे बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों से बच्चों को चुराते थे। इस ऑपरेशन में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में दिल्ली के सराय काले खां से चुराए गए एक 6 महीने के बच्चे को आगरा से और पांच अन्य बच्चों को अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया। बच्चा चुराने का ऑर्डर आगरा के एक डॉक्टर ने दिया था। पूछताछ के बाद खुलासा होते-होते इस रैकेट के तार दिल्ली से शुरू होकर हरियाणा, राजस्थान और यूपी होते हुए उत्तराखंड तक जा पहुंचे।

नशे में धुत ट्रक चालक ने सड़क किनारे बैठे युवक को रौंदा

नई दिल्ली

केशवपुरम थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे बैठे एक शख्स को कुचल दिया। इस हादसे में 28 साल के सुरेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि ट्रक का ड्राइवर नशे में धुत था। वारदात को अंजाम देने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि, लोगों ने करीब 15 से 20 किलोमीटर दूर ट्रक का पीछा कर चालक को पकड़ लिया।

कालकाजी सेवादार हत्याकांड: हाईकोर्ट का निर्देश जारी

29 अगस्त की रात प्रसाद में चुनरी न देने पर सेवादार की पीट-पीटकर हत्या कर दी

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को कालकाजी मंदिर परिसर में एक सेवादार की क्रूर हत्या के मामले में एक आदेश जारी किया है। कोर्ट ने जांच के लिए दिल्ली पुलिस को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मृतक के भाई और दो चश्मदीदों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी किया गया।

अगली सुनवाई 19 सितंबर को

कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए स्थिति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। याचिकाकताओं ने मांग की है कि 29 अगस्त को हुई इस हत्या की जांच को दिल्ली पुलिस से केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें न केवल दिल्ली पुलिस से, बल्कि आरोपियों के परिजनों से भी खतरा है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि मंदिर परिसर की सुरक्षा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को सौंपी जाए। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को निर्धारित की गई है। दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में प्रसाद में चुनरी न देने के बाद शुरू हुए झगड़े में सेवादार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

गुस्से में ग्रामीण... दो दिन महापंचायत की तैयारी

नई दिल्ली

देहात में यूईआर-2 पर बक्करवाला-मुंडका टोल टैक्स को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है। राजधानी के तीन अलग-अलग मोर्चों से टोल विरोध की आवाज बुलंद हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यूईआर-2 टोल टैक्स उनके लिए अस्वीकार्य है और जब तक इसे हटाया नहीं जाएगा, विरोध और तेज होता जाएगा। बिंदापुर में 360 गांव की पंचायत आयोजित हुई। पंचायत की अध्यक्षता खाप प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने की। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, बुजुर्गों और पंचायत प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। सोलंकी ने कहा कि यह संघर्ष केवल टोल टैक्स के खिलाफ नहीं बल्कि आम जनता के हक की लड़ाई है। पंचायत में निर्णय लिया गया कि 13 सितंबर को बक्करवाला-मुंडका टोल पर एक विशाल महापंचायत आयोजित होगी। वहीं दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव की पहल पर पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह शौकीन के निवास पर पंचायत प्रमुखों की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से तय किया गया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उत्तर-पश्चिम दिल्ली सांसद योगेंद्र चांदोलिया और पश्चिमी दिल्ली सांसद कमलजीत सहरावत को ज्ञापन सौंपा जाए। ज्ञापन दिल्ली के कई विधायकों को भी दिया जाए। पंचायत संघ ने कहा कि दिल्लीवासी पहले ही शहर से बाहर जाते वक्त चारों दिशाओं में टोल देते हैं, अब दिल्ली के अंदर गांव से गांव जाने पर टोल देना नाइंसाफी है।

ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यूईआर-2 टोल टैक्स उनके लिए अस्वीकार्य है और इसे हटाया जाए

पंचायत संघ नेताओं का कहना था कि यह टोल दिल्ली देहात और ग्रामीण इलाकों के विकास में बाधक है। दिल्ली देहात मोर्चा के अध्यक्ष राजीव यादव ने बताया कि 14 सितंबर को टोल प्लाजा पर पंचायत की जाएगी। इसके लिए सभी गांवों में तमाम संगठनों की ओर से संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। यह संगठन पिछले एक महीने से इस टोल का विरोध कर रहे हैं।

ट्रैफिक एएसआई के साथ हाथापाई और कुचलने का प्रयास, केस दर्ज

भागने के दौरान आरोपी ने कार से उन्हें हिट कर भाग गया, पुलिस ने बयान पर मामला दर्ज

नई दिल्ली

नजफगढ़ इलाके में फॉर्च्यूनर कार सवार ने दिल्ली यातायात विभाग में तैनात सहायक उप निरीक्षक उमेद सिंह के साथ हाथापाई की और उन्हें कार से कुचलने की कोशिश की। भागने के दौरान आरोपी ने कार से उन्हें हिट कर भाग गया। पीड़ित पुलिसकर्मी का मेडिकल करवाने के बाद पुलिस ने उनके बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस भागे हुए कार चालक की पहचान करने में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, यातायात पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत उमेद सिंह की तैनाती नजफगढ़ ट्रैफिक सर्किल में है। नजफगढ़ में दर्ज प्राथमिकी में उमेद सिंह ने बताया कि 5 सितंबर को उनकी तैनाती नजफगढ़ साई मंदिर के अर्बन एक्सटेंशन रोड के नीचे थी। उनके साथ हवलदार मंजीत और सिपाही वजीर थे। तीनों अलग अलग जगह पर ट्रैफिक का डाइवर्जन करवा रहे थे।

संपादकीय

अखिलेश ने टोटी चोरी कांड को बनाया 2027 चुनाव का सियासी हथियार

उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर पुराना जख्म हरा हो गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने टोटी चोरी कांड को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला है। लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया और पूर्व मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी व उनके ओएसडी अभिषेक कौशिक को इस मामले का मास्टरमाइंड बताया। उनके लिए यह मामला अब सिर्फ एक पुरानी कहानी नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अपमान और सियासी साजिश का प्रतीक बन चुका है। अखिलेश ने साफ कहा, ह्लमैं टोटी चोरी का मामला कभी नहीं भूल सकता।ह्व यह मुद्दा अब 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट में सपा के लिए एक बड़ा सियासी हथियार बन रहा है। आखिर यह टोटी चोरी कांड 2017 में क्यों सुर्खियों में आया और आज भी अखिलेश यादव को क्यों सताता है।

बात 2017 की है। उस समय उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा की हार हुई थी और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री का पद छोड़कर लखनऊ का सरकारी आवास खाली करना पड़ा। आवास खाली करने के बाद खबरें फैलीं कि वहां से टोटियां, बिजली के फिक्सचर, नल-नलकियां और कुछ छोटी-मोटी चीजें गायब हैं। बीजेपी ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उछाला और इसे सपा सरकार के भ्रष्टाचार का सबूत बताया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने जांच के आदेश दिए और मीडिया में टोटी चोर जैसे शब्द गूंजने लगे। बीजेपी ने इसे सपा के लूटतंत्र का प्रतीक बनाकर खूब प्रचार किया।

उस समय यह मामला इतना तूल पकड़ गया कि सोशल मीडिया से लेकर गली-मोहल्लों तक हर जगह इसकी चर्चा होने लगी। बीजेपी समर्थक इसे सपा की करतूत बताते थे, तो सपा कार्यकर्ता इसे बीजेपी की साजिश करार देते थे। अखिलेश ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। उनका कहना था कि आवास में कोई कमी नहीं थी और सब कुछ जस का तस छोड़ा गया था। उन्होंने इसे बीजेपी की साजिश बताया, जिसका मकसद उनकी और सपा की छवि को खराब करना था। अखिलेश ने तत्कालीन मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी और उनके ओएसडी अभिषेक कौशिक पर इस झूठी कहानी को गढ़ने और मीडिया में फैलाने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक, बीजेपी ने उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने के लिए यह सब रचा। यह मामला उनके लिए इतना अपमानजनक था कि वह इसे बार-बार याद करते हैं।2025 में यह मुद्दा फिर से क्यों चर्चा में आया? दरअसल, हाल ही में बीजेपी विधायक केतकी सिंह ने इस कांड को दोबारा उछाला और अखिलेश को टोटी चोर कहा। जवाब में सपा छात्र सभा ने केतकी सिंह के घर पर प्रदर्शन किया। इसी का जवाब देने के लिए अखिलेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और बीजेपी पर जमकर बरसे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश का गुस्सा साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा, ह्लमैं टोटी चोरी का मामला कभी नहीं भूल सकता। यह सब अवनीश अवस्थी और अभिषेक कौशिक ने करवाया। बीजेपी सरकार को समझ लेना चाहिए कि हम इसे भूलने वाले नहीं हैं।ह्व उन्होंने दावा किया कि एक बड़े अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में इस साजिश का खुलासा हो चुका है। अखिलेश ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि उनके घर को गंगाजल से धुलवाने की बात की गई, जो उनके सम्मान को चोट पहुंचाने की कोशिश थी। उन्होंने चेतावनी दी कि जब सरकार बदलेगी, तो इसका जवाब जरूर लिया जाएगा। यह बयान उनके व्यक्तिगत दर्द को दिखाता है और सपा कार्यकताओं में जोश भर रहा है।

अवनीश अवस्थी और अभिषेक कौशिक कौन हैं, जिन पर अखिलेश इतना गुस्सा हैं? अवनीश अवस्थी एक आईएएस अधिकारी हैं, जो 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव थे। वह योगी सरकार के करीबी माने जाते थे और बाद में मुख्यमंत्री के सलाहकार भी बने। अभिषेक कौशिक उनके ओएसडी थे। अखिलेश का आरोप है कि इन दोनों ने मिलकर टोटी चोरी की कहानी बनाई और इसे मीडिया में फैलाया। उन्होंने अभिषेक कौशिक पर भागने का भी आरोप लगाया, जिसने सियासी हलकों में हलचल मचा दी। अखिलेश का कहना है कि बीजेपी ने इन अधिकारियों के जरिए सपा सरकार की उपलब्धियां, जैसे लैपटॉप वितरण, 108 एंबुलेंस सेवा, डायल 100 और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी योजनाओं को दबाने की कोशिश की। अवनीश अवस्थी अब रिटायर्ड हैं, लेकिन उनकी भूमिका पर सवाल उठते रहते हैं।

यह मामला अब सिर्फ टोटी चोरी तक सीमित नहीं है। अखिलेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी की चुनावी तिकड़ी का जिक्र किया अधिकारी, सरकार और चुनाव आयोग। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग ही धोखा दे, तो जनता कहां जाए? उनका इशारा बिहार चुनाव में वोट चोरी के आरोपों की ओर था। अखिलेश ने जीएसटी दरों में कटौती को बिहार चुनाव का स्टंट बताया और कहा कि इससे मुनाफाखोरी नहीं रुकेगी। उन्होंने शिक्षक दिवस पर वादा किया कि सपा सरकार बनेगी, तो अच्छी शिक्षा और सम्मानजनक नौकरियां दी जाएंगी।बीजेपी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार 27 हजार प्राइमरी स्कूल बंद कर चुकी है और 69 हजार शिक्षक भर्ती के उम्मीदवार सड़कों पर हैं। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी शिक्षा को बर्बाद कर रही है, ताकि लोग सवाल न उठाएं। अखिलेश ने बाराबंकी में एबीवीपी कार्यकताओं की पिटाई का जिक्र कर बीजेपी पर तंज कसा। उन्होंने एबीवीपी को अखिल भारतीय वीडियो ऑफ पिटाई कहा और व्यंग्य किया कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के संगठन के लोग दुखी हैं। मंत्री ओम प्रकाश राजभर के घर पर प्रदर्शन को लेकर भी उन्होंने तंज कसा।

डेंगू के बाद मानसिक बीमारियों का खतरा, इस तरह मेंटल हेल्थ पर असर

डेंगू एक वायरल संक्रमण है जो एडिज मच्छर के काटने से फैलता है. बारिश और गंदे पानी में पनपने वाले ये मच्छर इंसानों को संक्रमित कर देते हैं. डेंगू में तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, प्लेटलेट्स की कमी और कमजोरी आम लक्षण हैं. गंभीर स्थिति में मरीज को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है. हालांकि, सही इलाज मिलने पर मरीज ठीक हो जाता है, लेकिन इसका असर लंबे समय तक बना रहता है. कई बार डेंगू से पूरी तरह स्वस्थ होने में महीनों लग जाते हैं. ऐसे में डेंगू के बाद कुछ मरीजों में मानसिक समस्याओं के लक्षण दिख रहे हैं. आइए इस बारे में जानते हैं.

डेंगू के बाद मरीजों में मानसिक समस्याओं के सबसे आम लक्षणों में लगातार थकान और एनर्जी की कमी शामिल है, जिससे व्यक्ति अपने सामान्य कामकाज में रुचि खो देता है. कुछ लोगों को नींद न आना या बार-बार नींद टूटने की समस्या होती है. मानसिक बेचैनी, तनाव और घबराहट जैसे लक्षण भी डेंगू के बाद देखे जाते हैं. कई मरीजों को फोकस करने में दिक्कत आती है, जिससे पढ़ाई या कामकाज प्रभावित होता है. इसके अलावा, चिड़चिड़ापन, उदासी और डिप्रेशन जैसे लक्षण भी सामने आए हैं. लंबे समय तक चलने वाले दर्द और शरीर की कमजोरी मानसिक स्थिति को और बिगाड़ देते हैं. ऐसे लक्षण नजर आने पर मरीज को न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक इलाज की भी जरूरत होती है.

डेंगू के बाद मानसिक बीमारियां होने के क्या कारण हैं?

आरएमएल हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग में डॉ. सुभाष गिरी बताते हैं कि डेंगू के बाद मानसिक बीमारियां कई कारणों से हो सकती हैं. सबसे पहले, यह बीमारी शरीर को लंबे समय तक कमजोर कर देती है. लगातार थकान और दर्द से मरीज के दिमाग पर बुरा असर पड़ता है.

थिएटर कमांड : मोदी सरकार के रहते सेनाओं के एकीकरण का बड़ा काम

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय सेना के वर्तमान ढांचे और भविष्य की जरूरतों को लेकर इन दिनों एक नए विमर्श का दौर चल रहा है। छह सितंबर 2025 को थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि थिएटर कमांड तो बनकर रहेगी, चाहे आज बने या कल। उनके इस वक्तव्य से पूर्व हमें वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का बयान सामने आया था, जिसमें उनका तर्क था कि सीमित संसाधनों, खासकर कम संख्या में उपलब्ध फाइटर जेट्स और दूसरे वायुसेना संसाधनों के मद्देनजर, थिएटर कमांड संरचना लागू करने से एयर फोर्स की ताकत बंट जाएगी और युद्धक क्षमता कमजोर होगी। इसलिए इसकी अभी आवश्यकता नहीं। किंतु इन दोनों प्रमुखों की तरह ही समय समय पर इससे जुड़े अन्य अध्ययन, विमर्श एवं विचार पढ़ने को मिलते हैं। कुछ समर्थन में तो कुछ विरोध में अपनी बात कह रहे हैं, पर यहां मसला राष्ट्र के शक्तिशाली होने से है, जहां फिर तमाम तर्क व्यर्थ और औचित्यहीन हो जाते हैं।

थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यहां कहा, इस संदर्भ में फिर अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। वे कहते हैं, आज के समय में लड़ाई केवल थलसेना या वायुसेना तक सीमित नहीं रही। इसमें बीएसएफ, आईटीबीपी, इसरो, रेलवे, सिविल एविएशन और इंटेलिजेंस एजेंसियों तक की भूमिका है। ऐसे में यूनिटी ऑफ कमांड यानी एकीकृत नेतृत्व की जरूरत सबसे अहम हो जाती है। यही कारण है कि भारत को एक शीर्ष कमांडर चाहिए जो सबको एक दिशा में मोड़ सके।

प्रधानमंत्री ने लगातार की संयुक्त कमान की वकालत

दरअसल, यह बहस अचानक नहीं उठी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार संयुक्त कमान की वकालत की है और 2024 के लोकसभा चुनावी घोषणा-पत्र में भाजपा ने इसे अपने औपचारिक संकल्प के रूप में शामिल किया था। 2019 में ही चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का पद इसलिए बनाया गया, ताकि इस प्रक्रिया को गति मिल सके। मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी इसके पक्षधर हैं। अब इस विषय की गहराई में जाएं और विचार करें कि आखिर प्रधानमंत्री से लेकर ये सेना के प्रमुख आखिर क्यों यह मांग कर रहे हैं या इसके समर्थन में हैं

विश्व की सभी प्रमुख सेनाएं थिएटर कमांड में

इस लिहाज से भारत जब भी अपनी तुलना करेगा तो दुनिया की बड़ी सेनाओं के साथ ही करेगा, स्वभाविक है जो विश्व में इसकी लाभार्थी सेनाएं हैं उनके अनुभव इस दिशा में मायने रखते हैं और तब हम देखें तो तस्वीर साफ हो जाती है। अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस जैसी सेनाओं ने पहले ही अपने-अपने सैन्य ढांचों को थिएटर कमांड के रूप में ढाल लिया है।

अमेरिका के पास 11 कमांड हैं, जो पूरी दुनिया को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर वहां की सुरक्षा और सैन्य

कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार हैं। इनमें इंडो-पैसिफिक कमांड से लेकर अफ्रीका और साइबर कमांड तक शामिल हैं। चीन ने 2016 में अपनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को पांच थिएटर कमांड्स में विभाजित किया। सेंट्रल, नॉर्दर्न, साउथर्न, ईस्टर्न और वेस्टर्न कमांड्स के तहत चीन ने सैन्य नियंत्रण को केंद्रीकृत भी किया और लचीला भी, ताकि भारत से लगी सीमाओं से लेकर ताइवान स्ट्रेट तक हर जगह वह तुरंत प्रतिक्रिया दे सके।रूस ने अपने सैन्य तंत्र को चार रणनीतिक कमांड्स में बांट रखा है, जिनका नियंत्रण सीधा क्रेमलिन के हाथों में होता है। ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाएं भले ही अमेरिका और चीन जैसी बड़ी न हों, लेकिन नाटो के दायरे में उनकी थिएटर कमांड संरचनाएं व्यवस्थित हैं और वे संयुक्त संचालन में दक्ष हैं।

अब इस तुलना में हम कहां हैं इनसे तुलना करें तो भारत अभी शुरूआती दौर में है। भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना के पास कुल 17 अलग-अलग कमांड हैं। सेना और वायुसेना के 7-7 कमांड तथा नौसेना के 3 कमांड। इनके अलावा अंडमान-निकोबार कमांड और स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड जैसे दो संयुक्त ढांचे हैं, जो सीमित क्षेत्र में काम करते हैं। परंतु बड़े पैमाने पर देखें तो आज भी भारत में सैन्य संसाधनों का बंटवारा सेवा-विशेष के आधार पर है, न कि युद्धक्षेत्र या ऑपरेशन की वास्तविक जरूरत के आधार पर।

युद्ध के हिसाब से सैन्य संरचना तैयार करने में सरलता

थिएटर कमांड संरचना का मकसद यही है कि संसाधन तीनों सेनाओं के बीच बंटकर नहीं, बल्कि एकजुट होकर काम करें। उदाहरण के लिए पाकिस्तान मोर्चे पर वेस्टर्न थिएटर कमांड होगी, तो उसमें थलसेना के जमीनी दस्ते, वायुसेना के लड़ाकू विमान और नौसेना की जरूरत पड़ने पर सतर्क टुकड़ियाँ सब एक साथ काम करेंगे। इसी तरह चीन मोर्चे के लिए नॉर्दर्न थिएटर कमांड होगी, जो लखनऊ में प्रस्तावित है। समुद्रों के लिए मैरिटाइम थिएटर कमांड बनेगी, जिसका मुख्यालय तिरुवनंतपुरम में रखने पर विचार है। यानी अब युद्ध के हिसाब से सैन्य संरचना तैयार होगी, न कि केवल सेवाओं के हिसाब से।

ये परिवर्तन सामरिक, आर्थकि और तकनीकि तौर पर जरूरी है

यह परिवर्तन क्यों जरूरी है, इसका जवाब तीन स्तर पर मिलता है। पहला, सामरिक। भारत आज दोहरे मोर्चे की चुनौती झेल रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान लगातार सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, जबकि उत्तर और पूर्व में चीन की आक्रामकता हर साल नई समस्या पैदा करती है। डोकलाम, गलवान और अरुणाचल में लगातार घुसपैठ की घटनाएँ इसका प्रमाण हैं। यदि कभी एक साथ दोनों मोर्चों पर चुनौती आती है तो मौजूदा ढांचा तुरंत प्रतिक्रिया देने में समय लेगा। स्वभाविक तौर पर अलग-अलग कमांड्स के बीच तालमेल बैठाने में ही ये कीमती समय जाएगा।

दूसरा, आर्थिक। भारत का रक्षा बजट भले ही दुनिया में तीसरे नंबर पर है, लेकिन उसका बड़ा हिस्सा वेतन और पेंशन पर खर्च हो जाता है। आधुनिकीकरण और नई तकनीक पर अपेक्षाकृत कम हिस्सा बचता है। थिएटर कमांड्स बनने से दोहराव खत्म होगा, संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल होगा और रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा दक्षता में परिवर्तित किया जा सकेगा।

तीसरा, तकनीकी और संचालनात्मक। भविष्य की लड़ाई केवल टैंकों और फाइटर जेट्स तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें साइबर, स्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन जैसी नई तकनीकें निर्णायक होंगी। अगर तीनों सेनाएँ अलग-अलग योजना बनाकर चलती रहेंगी तो तालमेल के साथ एक दूसरे का सहयोग लेने में समय लगता है। थिएटर कमांड ढांचा इन सबको एकजुट करेगा और संयुक्त दृष्टिकोण देगा। वास्तव में यह बहुत सोचनीय है कि यदि चीन अपने संसाधनों को पहले ही पांच थिएटर कमांड में ढाल चुका है और अमेरिका जैसे महाशक्ति ने अपनी पूरी सेना को ग्यारह कमांड्स में बांट रखा है तो भारत कब तक पुरानी व्यवस्था में अटका रहेगा

सेना से जुड़ा ये सुधार अभी ही क्यों

मोदी सरकार के कार्यकाल में यह सुधार इसलिए ज्यादा संभव है क्योंकि राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद है। 2019 में सीडीएस की नियुक्ति से लेकर 2023 में इंटर-सर्विस ऑर्गेनाइजेशन एक्ट पारित करने तक केंद्र ने लगातार कदम उठाए हैं। यह सच है कि भारत की सेनाएँ वीरता और त्याग में दुनिया की किसी भी सेना से कम नहीं हैं। लेकिन यदि यही सेना थिएटर कमांड संरचना में काम करेगी तो उसकी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। युद्धक्षेत्र में एकीकृत नेतृत्व होगा, निर्णय त्वरित होंगे और संसाधनों का इस्तेमाल सबसे प्रभावी रूप में होगा।

इसलिए यह सुधार वर्तमान समय की

आपदा प्रबंधन की अधूरी तैयारी: हमारी सबसे बड़ी कमजोरी

मुनीष भाटिया

भारत एक ऐसा देश है जहां प्रकृति की विविधता के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं की विभीषिका भी बार-बार सामने आती है। कभी भारी बारिश, कभी बाढ़, कभी भूकंप और कभी भूस्खलन।वैज्ञानिक प्रगति और आधुनिक तकनीक ने हमें यह सुविधा तो दे दी है कि हम मौसम की भविष्यवाणी कर सकते हैं, वर्षा की तीव्रता और समय का अनुमान लगा सकते हैं, फिर भी हमारी तैयारी हर बार अधूरी रह जाती है। यही विडंबना आज सबसे गंभीर समस्या बन चुकी है।

राहत शिविरों की तैयारी, सड़क और पुलों की मजबूती, नालों की सफाई—ये सब काम कागजों पर तो दिखते हैं, पर जमीनी स्तर पर तब तक पूरे नहीं होते जब तक संकट सिर पर न आ जाए। यही कारण है कि हर साल हजारों लोग बेघर होते हैं और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान उठाना पड़ता है। पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन अब आम हो गए हैं। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और पहाड़ों पर अवैध निर्माण ने भूमि को अस्थिर बना दिया है। सरकार बार-बार चेतावनी देती हैं, विशेषज्ञ रिपोर्ट पेश करते हैं कि अब पर्वतीय ढलानों पर निर्माण की सीमा समाप्त हो गई है। इसके बावजूद बड़े-बड़े बिल्डर और होटल प्रोजेक्ट धड़ल्ले से मंजूरी पा लेते हैं। नतीजा यह होता है कि बरसात के दिनों में जरा सी तेज बारिश भी जानलेवा साबित होती है और पूरा गांव या कस्बा भूस्खलन की चपेट में आ जाता है।

भारत का एक बड़ा भू-भाग भूकंप संवेदनशील क्षेत्रों में आता है। कुछ वर्षों में कोई न कोई बड़ा भूकंप हमें झकझोर देता है। जब हादसा होता है तो भूकंप-रोधी निर्माण की चर्चा जोरों पर होती हैं। इमारतों को सुरक्षित बनाने के सुझाव, निर्माण मानकों की सिफारिशें और सरकारी आदेश सामने आते हैं। लेकिन जैसे ही हालात सामान्य होते हैं, सब भुला दिया जाता है। बिल्डरों और आम नागरिकों तक को भूकंप-रोधी मानकों की जानकारी तो दी जाती है, लेकिन उनके पालन की निगरानी कभी कड़ी नहीं होती। यही कारण है कि जब अगली बार भूकंप आता है तो हमें फिर भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता। लेकिन उनका असर कितना होगा, यह हमारी तैयारी पर निर्भर करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आपदा प्रबंधन को केवल आपदा आने के बाद की औपचारिकता न मानें, बल्कि इसे हमारी जीवनशैली और विकास नीति का हिस्सा बनाएँ। जब तक हम तैयारी को गंभीरता से नहीं लेंगे, तब तक हर साल हमें जान-माल की हानि झेलनी ही पड़ेगी।

बिहार चुनाव 2025: दरभंगा गालीकांड और केरल बीड़ी विवाद ने महागठबंधन की मुश्किलें बढ़ाई

अजय कुमार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है, और सियासी माहौल में उबाल आ गया है। जैसे-जैसे अक्टूबर-नवंबर में होने वाले इस महासमर की तारीखें नजदीक आ रही हैं, राजनीतिक दल अपनी रणनीतियों को और धार दे रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा और उनके हाइड्रोजन बम वाले बयान ने जहां विपक्ष को नया जोश देने की कोशिश की, वहीं केरल कांग्रेस की एक सोशल मीडिया पोस्ट और दरभंगा रैली में हुए गालीकांड ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने इन विवादों को बिहार की अस्मिता से जोड़कर महागठबंधन को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

बिहार का चुनावी रण हमेशा से ही देश की सियासत का केंद्र रहा है। 243 सीटों वाली विधानसभा में इस बार मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन के बीच बेहद कड़ा होने वाला है। नीतीश कुमार की अगुआई में एनडीए, जिसमें भाजपा, जेडीयू, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं, अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटा है। वहीं, महागठबंधन में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), और अन्य सहयोगी दल मिलकर सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के सभी 243 सीटों पर अकेले लड़ने के ऐलान ने सियासी समीकरणों को और उलझा दिया है।

राहुल गांधी ने अपनी वोटर अधिकार यात्रा के जरिए बिहार में नया सियासी नैरेटिव बनाने की कोशिश की। 16 दिन की यह यात्रा 1300 किलोमीटर का सफर तय करते हुए 20 जिलों से गुजरी और 1 सितंबर 2025 को पटना के गांधी मैदान में एक विशाल रैली के साथ खत्म हुई। इस यात्रा का मकसद था मतदाताओं को उनके वोट के अधिकार के प्रति जागरूक करना और चुनाव आयोग की मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करना। राहुल ने अपनी रैलियों में वोट चोरी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर वोटर लिस्ट में हेरफेर किया। खास तौर पर, उन्होंने कर्नाटक के बेंगलुरु साउथ की महादेवपुरा सीट का जिक्र किया, जहां उनके मुताबिक एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर थे। इसे उन्होंने एटम बम करार दिया और अब वाराणसी सहित 48 अन्य सीटों पर हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कही। पटना की रैली में राहुल ने कहा, माधवपुरा में हमने एटम बम दिखाया था, अब बिहार में हाइड्रोजन बम दिखाएंगे। इसके बाद नरेंद्र मोदी जी जनता का सामना नहीं कर पाएंगे। उनका यह बयान न केवल चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि महागठबंधन बिहार में भावनात्मक और तकनीकी मुद्दों को मिलाकर एक मजबूत नैरेटिव बनाना चाहता है। यात्रा में तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खरगे, और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की मौजूदगी ने इसे और भव्य बनाया। लेकिन इस सियासी जोश को उस वक्त झटका लगा, जब दरभंगा में राहुल और तेजस्वी के मंच से कुछ कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

28 अगस्त 2025 को दरभंगा में हुई इस घटना का वीडियो वायरल हो गया। भाजपा ने इसे तुरंत मुद्दा बनाया और इसे बिहार की मातृ-पूजा की संस्कृति पर हमला बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे घुसपैठिया बचाओ यात्रा करार दिया, जबकि भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा, कांग्रेस अब गांधी जी की पार्टी नहीं, गाली वाली पार्टी बन गई है। इस घटना ने विपक्ष को बैकफुट पर ला दिया। हालांकि, महागठबंधन ने स्पष्ट किया कि अपशब्दों के वक्त राहुल और तेजस्वी मंच पर मौजूद नहीं थे, लेकिन बिहार की भावनात्मक जनता के बीच इसने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया। भाजपा ने इसे और भुनाने के लिए 4 सितंबर को बिहार बंद का आान किया, जिसमें उनकी महिला मोर्चा ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस गालीकांड का असर अभी थमा भी नहीं था कि केरल कांग्रेस की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने नया तूफान खड़ा कर दिया। 5 सितंबर 2025 को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा था, बीड़ी और बिहार दोनों ब से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता। यह पोस्ट केंद्र सरकार के जीएसटी सुधारों पर तंज थी, लेकिन बिहार की तुलना बीड़ी से करना स्थानीय लोगों को नागवार गुजरा। भाजपा और जेडीयू ने इसे बिहार की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान पर हमला बताया।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, पहले कांग्रेस ने पीएम की

भारत में 10.6 प्रतिशत वयस्क मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित!

सुनील कुमार महला

आज पूरी दुनिया मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रही है। आपा-धापी व भागम-भाग भरी इस जिंदगी में हर कोई व्यक्ति कहीं न कहीं तनाव, अवसाद झेल रहा है।कहना गलत नहीं होगा कि सामाजिक दबाव, डिजिटल निर्भरता और आर्थिक असुरक्षा ने मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित किया है। युद्ध, प्रवासन और प्राकृतिक आपदाएँ भी कहीं न कहीं मानसिक स्वास्थ्य संकट का कारण हैं। वैश्विक परिदृश्य की यदि हम यहां पर बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है। इस आलेख में ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि अवसाद (डिप्रेशन) और चिंता (एंक्साइटी) सबसे सामान्य समस्याएँ हैं, जो कामकाजी क्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। आत्महत्या (सुसाइड) 15-29 वर्ष आयु वर्ग में प्रमुख मृत्यु कारणों में से एक है।जब कोविड-19 महामारी आई तो इसने अकेलेपन, तनाव और अवसाद को और बढ़ा दिया। बहरहाल,दुनियाभर में एक अरब लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। दरअसल, इस संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने नई रिपोर्ट जारी

की है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में चिंता और अवसाद को सबसे आम बताया है। रिपोर्ट में कहा गया कि इन बीमारियों की वजह से इंसान के जीवन और सेहत के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। वर्ष 2021 में 7.27 लाख लोगों ने अवसाद के कारण आत्महत्या की। वहीं डिप्रेशन और चिंता से हर साल अर्थव्यवस्था को लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का नुकसान सिर्फ कामकाजी क्षमता घटने से हो रहा है। यदि हम यहां पर भारत में स्थिति की बात करें तो निम्हांस (राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान) द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 10.6 प्रतिशत वयस्क मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। यहां मानसिक स्वास्थ्य विकारों का जीवनकाल प्रसार 13.7% है। वहीं मानसिक विकारों से ग्रस्त 70 से 92 प्रतिशत लोगों को अच्छा उपचार नहीं मिल पाता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवसाद से पीड़ित महिलाएं स्वास्थ्य देखभाल पर तीन गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रही हैं। करीब आठ हजार से अधिक महिलाओं के डाटा का विश्लेषण किया गया। पाया गया 24 से 44 वर्ष की महिलाएं औसतन तीन से पांच हजार रुपये स्वास्थ्य पर खर्च कर रही हैं, जो उनकी आर्थिक आय से अधिक है।

इसमें यह भी देखा गया कि करीब 71 फीसदी महिलाओं में चिंता और अवसाद दोनों मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। रिपोर्ट में सकारात्मक बदलाव की बात भी कही गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 71 फीसदी देशों ने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल करना शुरू कर दिया है। वहीं आपातकालीन हालात में मानसिक सहायता देने की क्षमता तेजी से बढ़ी है। 2020 में यह सुविधा 39 देशों में थी, जो अब बढ़कर 80 फीसदी से अधिक हो गई है।

इजराइल के ऐलात स्थित रेमन एयरपोर्ट पर यमन की ओर से ड्रोन हमल में दो घायल, कुछ घंटों बाद उड़ानें फिर बहाल

एजेंसी

ऐलात। दक्षिणी इजराइल के पर्यटन शहर ऐलात के पास स्थित रेमन एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ, जब यमन से छोड़ा गया एक ड्रोन हवाई अड्डे के आगमन हॉल में आकर गिरा। इस हमले में शरापनेल लगने से दो लोग घायल हो गए। इजराइल की राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा मगन डेविड एडोम के अनुसार, घायलों में एक 63 वर्षीय पुरुष और एक 52 वर्षीय महिला शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।हमले के बाद एयरपोर्ट पर करीब दो घंटे तक उड़ान संचालन रोक दिया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। इजराइल एयरपोर्ट प्राधिकरण ने बताया कि सभी सुरक्षा मानकों और वायुसेना की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद एयरपोर्ट को फिर से खोल दिया गया है। एयरपोर्ट से जल्द ही पहली उड़ान तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट के लिए रवाना होगी। रेमन एयरपोर्ट, जो जॉर्डन और मिस्र की सीमा के पास रेड सी (लाल सागर) के तटीय शहर इलात में स्थित है, मुख्यतः घरेलू उड़ानों को संभालता है। यहां से इजराइर और आर्किया एयरलाइंस की उड़ानें निर्धारित थीं। आर्किया ने बताया कि यात्रियों और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और विमान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। सुरक्षा जांच के बाद कंपनी ने सामान्य संचालन बहाल करने की बात कही।

यूक्रेन पर रूस का सबसे बड़ा हवाई हमला, कीव पर दागे 800 से ज्यादा ड्रोन, कैबिनेट भवन को भी निशाना बनाया

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर अबतक का सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए शनिवार की देर रात से रविवार सुबह तक 805 ड्रोन और 13 मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। रूसी हमले में ऐसा पहली बार है कि यूक्रेन सरकार की मुख्य इमारतों को भी निशाना बनाया गया। दमकल कर्मी इन तमाम इमारतों की आग बुझाते हुए देखे गए और पूरे शहर में अफरातफरी का माहौल रहा। कीव पोस्ट के मुताबिक रूसी सेना ने दावा किया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने 751 लक्ष्यों को रोका या निष्क्रिय किया, लेकिन मिसाइलों और ड्रोनों से देशभर में 37 स्थानों पर हमले किये गए, जिससे कई जगह आग लग गई। इन हमलों में कई आवासीय एवं प्रशासनिक इमारतें नष्ट हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार है जब किसी सरकारी मुख्यालय पर हुए हमले में कैबिनेट भवन में आग लग गई। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रूस की तरफ से रात भर ऐसे हमलों का सिलसिला जारी रहा। हमलों की शुरुआत ड्रोन से हुई, जो मिसाइल हमलों में बदल गई। रूस के इन हमलों के दौरान भारी दहशत और अफरातफरी की स्थिति देखी गई।

सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की मांग- सोशल मीडिया प्लेटफार्म बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार करे सरकार

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस (एनसी) ने कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने के हालिया फैसले पर सरकार से पुनर्विचार करने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी के शीर्ष नेता जल्द ही प्रधानमंत्री ओली से बातचीत करेंगे।नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के आवास पर हुई पार्टी की कार्य संपादन समिति की बैठक में फैसला लिया गया कि इस मुद्दे पर सरकार से बातचीत की जाए। पार्टी के संयुक्त महासचिव डीना उपाध्याय के अनुसार कई नेताओं ने सरकार के इस कदम पर असंतोष व्यक्त किया। उपाध्याय ने कहा कि सोशल मीडिया का नियमन आवश्यक है, लेकिन पूर्ण रूप से बंद करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही पार्टी के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करने वाले हैं। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि सोशल मीडिया बंद करने के फैसले ने व्यापक रूप से जनता के असंतोष को जन्म दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब सरकार इस तरह के एकतरफा और विवादास्पद निर्णय लेती है, तो नेपाली कांग्रेस को हस्तक्षेप करना चाहिए। केसी ने इस कदम को अनुचित और अलोकतांत्रिक बताते हुए बिना पूर्व परामर्श के संसद में विचाराधीन मुद्दे पर सरकार के इस कदम के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन की भी आलोचना की।

रूसी कैंसर वैक्सीन 'उपयोग के लिए तैयार'

मास्को। कैंसर के इलाज के लिए रूस के वैज्ञानिकों की बनाई कैंसर वैक्सीन उपयोग के लिए तैयार हो गयी है। इस दवा को अब केवल रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुमोदन की प्रतीक्षा है। रशिया टुडे, ने यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि यह वैक्सीन कैंसर के रोगियों के लिए आशा की नई किरण बन कर उभरी है। इस दवा ने अपने शुरुआती परीक्षणों में कैंसर में बनने वाली रसौली के आकार और वृद्धि को 80 फीसदी तक कम कर दिया है। रूस की फेडरल मेडिकल-बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा के अनुसार, इस नव-विकसित कैंसर वैक्सीन ने शुरुआती परीक्षणों में शानदार परिणाम दिया है और अब यह बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकार की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद इसे रोगियों को दिया जा सकेगा।दवा विकसित करने वाले वैज्ञानिकों ने बताया कि बीते तीन साल से इस दवा के परीक्षण किए जा रहे थे। इन परीक्षणों में काफी बेहतर परिणाम सामने आए हैं। इसके शुरुआती उपयोग कोलोरेक्टल कैंसर के लिए किया जाएगा, इसके बाद ग्लियोब्लास्टोमा और मेलेनोमा के लिए टीके लगाए जायेंगे।

दक्षिणी चीन पहुंचा तूफान तपाह, स्कूल बंद, हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

एजेंसी

ग्वांगझोउ । इस साल का 16वां तूफान तपाह सोमवार सुबह दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में पहुंच गया। इसको देखते हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया और हजारों निवासियों को तूफान से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ग्वांगडोंग की मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, 30 मीटर प्रति सेकंड की अधिकतम गति वाली हवाओं के साथ तूफान सुबह लगभग 8ञ्50 बजे जियांगमेन शहर के एक काउंटी-स्तरीय शहर ताइशान में तट पर पहुंचा। ताइशान के 182 स्कूलों और किंडरगार्टन में लगभग 1,20,000 छात्रों की कक्षाएं स्थगित कर दी गईं, जबकि जियांगमेन में 41,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाया गया। जियांगमेन के मेरीटाइम ब्यूरो ने कहा कि उसने संभावित आपात स्थितियों से निपटने

के लिए 43 स्वयंसेवी समुद्री बचाव दल और 30 जहाज पहले ही तैनात कर दिए। ताइशान में 3,300 से ज्यादा आपातकालीन कर्मी तैयार हैं। पड़ोसी यांगजियांग शहर में अधिकारियों ने सोमवार को स्थानीय निवासियों के लिए आपातकालीन आश्रय स्थल खोल दिए। तूफान से प्रभावित ग्वांगडोंग के कुछ हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। समाचार एजेंसी के अनुसार, मौसम विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि तपाह लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और धीरे-धीरे कमजोर होता जाएगा। इससे पहले, हांगकांग वेधशाला ने तूफान तपाह के कारण रविवार शाम को सबसे पहले नंबर 8 का संकेत जारी किया था, जो हांगकांग की पांचस्तरीय तूफान चेतावनी प्रणाली के तहत तीसरा सबसे बड़ा अलर्ट है। हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण ने सोमवार को लगभग 100 उड़ानें रद्द होने की आशंका है। तपाह के मद्देनजर मनोरंजन पार्क और क्लीनिक बंद हैं। चीन के हैनान प्रांत से आने-जाने वाली क्रॉस-सी ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है या उनके मार्ग बदल दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अकेले यांगजियांग शहर में रविवार सुबह 9 बजे तक 26 अपतटीय पवन ऊर्जा प्लेटफार्मों से कुल 1,785 श्रमिकों को निकाला गया था।

फेसबुक-इंस्टा बैन होने पर नेपाल में बवाल : संसद में घुसे युवा प्रदर्शनकारी, पुलिस ने वाटर कैनन, आंसू गैस छोड़ी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बैन के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन सोमवार को उग्र हो गया। हजारों की संख्या में जुटे 18 से 30 वर्ष के युवाओं ने संसद भवन का रुख किया और गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा जमा लिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन, आंसू गैस और कई राउंड फायरिंग का सहारा लिया। इस दौरान हुई झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि कई घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, संसद भवन परिसर के बाहर करीब 12 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी मौजूद थे। हालात पर काबू पाने के लिए राजधानी काठमांडू समेत आसपास के इलाकों में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है और सेना को तैनात कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार के खिलाफ यह विरोध पहले से ही कई शहरों में चल रहा था। सुरक्षा बलों की सख्त निगरानी के बावजूद प्रदर्शनकारी सोमवार को संसद भवन तक पहुंचने में कामयाब रहे। नेपाल के इतिहास में यह पहला मौका है जब संसद परिसर में युवाओं ने इस तरह की घुसपैठ की है।

शिगेरु इशिबा के इस्तीफे के बाद जापान के पूर्व विदेश मंत्री मोटेगी एलडीपी नेतृत्व की दौड़ में शामिल

एजेंसी

टोक्यो । जापान के पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के इस्तीफे के फैसले के बाद सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष चुनाव में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार शाम को अपना पद छोड़ने का ऐलान किया था। जुलाई में हुए उच्च सदन के चुनाव में हार के बाद एलडीपी-कोमेइतो गठबंधन ने अपना बहुमत खो दिया था। समाचार एजेंसी ने सोमवार को क्योडो न्यूज के हवाले से खबर दी। क्योडो न्यूज ने पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से बताया कि पार्टी की चुनावी हार की जिम्मेदारी लेने की बढ़ती मांग के बीच शिगेरु इशिबा ने यह कदम उठाया। सूत्रों के मुताबिक मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने भी चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उम्मीद है कि एलडीपी मंगलवार तक मतदान प्रक्रिया को अंतिम रूप देगी। तोशिमित्सु मोटेगी और योशिमासा हयाशी दोनों पिछले साल की नेतृत्व की दौड़ में शामिल थे। अनुभवी राजनेता मोटेगी एलडीपी के नीति प्रमुख भी रह चुके हैं। अन्य संभावित

दावेदारों में पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजीरो कोइजुमी भी शामिल हैं। जुलाई में हुए चुनाव में एलडीपी को मिली हार 2024 के प्रतिनिधि सभा चुनाव में भी इसी तरह के नतीजों के बाद आई है, जिससे सत्तारूढ़ गुट संसद के दोनों सदनों में अल्पमत में आ गया है। 1955 में एलडीपी की स्थापना के बाद से ऐसा पहली बार हुआ है। इससे पहले खबर आई थी कि पार्टी के प्रेसिडेंशियल चुनाव की वकालत करने वाले सांसद सोमवार को एलडीपी मुख्यालय जाएंगे और अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए एक पत्र प्रस्तुत करेंगे। नियम कहते हैं कि अगर पार्टी के अधिकांश सांसद और पार्टी के प्रीफेक्चुरल चैप्टर जल्द चुनाव के पक्ष में हैं तो पार्टी को चुनाव कराना होगा। इशिबा के इस्तीफे के बाद पार्टी को उनके उत्तराधिकारी नामित करने के लिए चुनाव कराना होगा।

एक्स पर नैरेटिव लोग तय करते हैं, मस्क ने पीटर नवारो को दिया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग तय करते हैं। मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बीच यह बयानबाजियां भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर विवाद के बीच हुआ।

नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत केवल लाभ के लिए रूसी तेल खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेज गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकी नौकरियां छीनना बंद करो। कम्युनिटी नोट्स द्वारा एक्स के फैक्ट चेक ने नवारो के कमेंट को मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया और कहा कि भारत की संप्रभु ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करती है। नवारो

ने इसके बाद मस्क की क्रैप नोट्स की अनुमति देने के लिए आलोचना की।मस्क ने जवाब दिया, इस मंच पर, लोग ही नैरेटिव तय करते हैं।आप किसी भी तर्क के सभी पक्षों को सुनें। कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, कोई अपवाद नहीं। नोट्स डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोत हैं। ग्रोक आगे फैक्ट-चेकिंग प्रदान करता है। भारत सरकार ने भी चल रहे विवाद के बीच नवारो के बयानों को खारिज कर दिया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें गलत और भ्रामक बयान बताया। नवारो ने पहले भारत की विदेश नीति की आलोचना की थी, तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूसी और चीनी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकातों पर सवाल उठाया था और कहा था कि भारत को रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ रहने की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। ट्रंप चीन के हाथों भारत को खोने वाली अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हटते हुए दिखे और कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त बना रहूंगा। इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा सम्मान करते हैं।

इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम 'फेल', हूती विद्रोहियों ने एयरपोर्ट पर की ड्रोन स्ट्राइक

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल हवाई अड्डा प्राधिकरण ने जानकारी दी है कि रामोन एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य हो गया है। यमन के हूती विद्रोहियों के ड्रोन हमले के बाद एयरपोर्ट ऑपरेशन को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हूती विद्रोहियों ने इजरायल के एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला किया था।

इजरायली सेना ने कहा कि एक ड्रोन देश की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहा और देश के दक्षिणी एयरपोर्ट पर गिरा। इस घटना से एयरपोर्ट की इमारत की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा। वहीं, एक व्यक्ति के घायल होने की बात सामने आई। इस हमले के बाद कुछ समय के लिए एयरपोर्ट से फ्लाइट ऑपरेशन्स को रोक दिया गया। इजरायल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि कम से कम दो लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

उन्हें पास के रिसॉर्ट शहर ऐलात के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजरायली सेना ने कहा कि वह यमन से किए गए ड्रोन हमले की जांच कर रही है, जिसके कारण विमानों की रवानगी और लैंडिंग लगभग दो घंटे तक रोक दी गई। इस हमले के बाद एक बार फिर इजरायल की एयर डिफेंस सिस्टम पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि, इजरायली सेना ने दावा किया कि ड्रोन का पता वायु सेना प्रणालियों ने लगाया था। लेकिन, उस ड्रोन के खतरे को सही से नहीं आंका गया, जिस कारण जवाबी कार्रवाई करने वाले सिस्टम ने खुद को एक्टिवेट नहीं किया। दूसरी तरफ हूती विद्रोहियों ने ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली। एक बयान में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हमले की जिम्मेदारी ली। ईरान समर्थित हूती विद्रोही लगातार इजरायल को निशाना बनाते हुए लंबी दूरी की मिसाइल और ड्रोन दाग रहे हैं। उनका दावा है कि इजरायल के गाजा पर हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई की जा रही है। इसके जवाब में इजरायल भी लगातार मिसाइल और अन्य हवाई हमले कर रहा है। इजरायल का कहना है कि उसकी तरफ किए गए हवाई हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आठ माह में आतंकवादियों ने 605 हमले किए, 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल आतंकवादी घटनाओं में तेजी से वृद्धि देखी गई है। साल के पहले आठ महीनों में 605 हमले हुए। इनमें 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल हुए। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय पुलिस कार्यालय (सीपीओ) के आंकड़ों में बताया गया है कि इस अवधि के दौरान आतंकवाद से संबंधित मामलों में 351 संदिग्ध आतंकवादियों के नाम दर्ज किए गए। सुरक्षा अभियानों में 32 आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य गिरफ्तार किए गए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि प्रांत के पुलिस बल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इन हमलों में 79 जवान मारे गए और 130 घायल हुए। अकेले अगस्त में ही पूरे प्रांत में 129 आतंकवादी घटनाएं हुईं। इन हमलों में 17 नागरिकों की जान गई और 51 घायल हुए। इसी महीने, 186 संदिग्धों की पहचान की गई, जबकि मुठभेड़ों में आठ आतंकवादी मारे गए। जिलेवार विवरण से पता चलता है कि अगस्त में बन्नू में सबसे अधिक 42 हमले हुए।

अमेरिका लगा सकता है रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध, ट्रंप ने दिए संकेत

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के अड़ियल रवैये के चलते यह कदम उठाने की बात कही है। ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि ये नए प्रतिबंध क्या होंगे। वाशिंगटन में एक पत्रकार के सवाल पर कि क्या वह प्रतिबंधों के दूसरे चरण को लागू करने के लिए तैयार हैं, इस पर ट्रंप ने संक्षेप में जवाब दिया, हां, मैं तैयार हूं। हालांकि, उनके इस छोटे से जवाब से यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वह किस तरह के नए प्रतिबंधों की बात कर रहे हैं या किन देशों को इसका निशाना बनाया जाएगा। अगस्त के मध्य में जब एक पत्रकार ने उनसे चीन को लेकर सवाल किया (जिसे रूसी तेल खरीदने पर अब तक दंडात्मक टैरिफ

(शुल्क) से छूट मिली हुई है) तो ट्रंप ने जवाब दिया था, मुझे दो या तीन हफ्तों में इस पर कुछ सोचना पड़ सकता है या कुछ करना पड़ सकता है दूसरी ओर, उन्होंने तेल प्रतिबंधों के लिए भारत को ही जिम्मेदार ठहराया था और उस पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाया था।ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अपनी शांति कूटनीति के तहत तीन सप्ताह पहले एक शिखर सम्मेलन किया था। हालांकि, उन्होंने इस मुलाकात से बड़ी उम्मीदें जताई थीं, लेकिन पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच अभी तक कोई मुलाकात नहीं हुई है और रूस ने यूक्रेन पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हासेट ने कहा कि रूसी हमलों में वृद्धि के बाद मुझे यकीन है कि आज और कल प्रतिबंधों के स्तर और समय के बारे में बहुत चर्चा होगी। सीबीएस न्यूज के एक इंटरव्यू में नई प्रतिबंधों के समय के बारे में पूछे जाने पर हासेट ने कहा, ÷यह अंततः राष्ट्रपति पर निर्भर करता है। लेकिन हां, यह बहुत निराशाजनक स्थिति है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूसी तेल खरीदारों पर प्रतिबंध बढ़ाने का एक संभावित तरीका सुझाया, जिसमें यूरोपीय संघ (ईयू) को अमेरिका के साथ मिलकर माध्यमिक प्रतिबंध लगाने के लिए शामिल करना जुड़ा है, ताकि मास्को पर बातचीत के लिए दबाव बनाया जा सके।

अमेरिका की इमिग्रेशन रेड से दक्षिण कोरिया में हड़कंप, निवेशकों की चिंता बढ़ी

एजेंसी

सियोल/वॉशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में दो दक्षिण कोरियाई कंपनियों द्वारा संचालित एक इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी प्लांट पर हुई इमिग्रेशन रेड ने सियोल में राजनीतिक और निवेश हलचल पैदा कर दी है। यह छापा ऐसे समय पर पड़ा है जब राष्ट्रपति ली जे म्युंग हाल ही में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले थे और दोनों देशों के बीच बड़े निवेश समझौते का ऐलान किया गया था।अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिकी एजेंसियों ने प्लांट के निर्माण स्थल से करीब 300 दक्षिण कोरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया। इनमें से ज्यादातर हुंडई मोटर और एलजी एनर्जी सॉल्यूशन की संयुक्त परियोजना में काम कर रहे थे। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये कर्मचारी किस वीजा श्रेणी के तहत अमेरिका आए थे और क्या उन्हें वहां कार्य करने की वैध अनुमति थी।दक्षिण कोरियाई सरकार ने कहा है कि वह अपने नागरिकों की रिहाई के लिए कूटनीतिक स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है और जैसे ही प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होंगी, उन्हें स्वदेश लाने के लिए एक चार्टर्ड फ्लाइट भेजी जाएगी। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब सियोल और वॉशिंगटन ने हालिया शिखर बैठक में रणनीतिक गठबंधन और व्यापारिक

साझेदारी को मजबूत करने की कोशिश की थी। इस समझौते के तहत अमेरिका में विस्तार कर रही कोरियाई कंपनियों के लिए 350 अरब डॉलर का फंड बनाया गया है, जिसमें से 150 अरब डॉलर शिपबिल्डिंग सेक्टर के लिए रखे गए हैं। इसके अलावा निजी कंपनियों ने भी अमेरिका में 150 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष निवेश का वादा किया है।

फ्रांसीसी संसद में प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है। प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ आज फ्रांसीसी संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होने जा रहा है। विपक्षी दलों द्वारा लाया गया यह प्रस्ताव यदि पास हो जाता है, तो यह सरकार के लिए एक बड़ा झटका होगा और प्रधानमंत्री

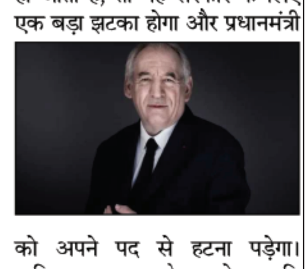

को अपने पद से हटना पड़ेगा। अविश्वास प्रस्ताव के चलते राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। यदि सरकार गिरती है, तो उन्हें तुरंत एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना होगा और एक स्थिर सरकार बनाने की कोशिश करनी होगी, जो कि मौजूदा राजनीतिक ध्रुवीकरण के माहौल में आसान नहीं होगा इस स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रपति मैक्रों के पास कुछ विकल्प हैं। वह अपनी ही पार्टी या गठबंधन के किसी नेता को प्रधानमंत्री बना सकते हैं। यदि कोई भी विकल्प सफल नहीं होता है, तो अंतिम उपाय के रूप में वह संसद को भंग कर सकते हैं और नए सिरे से चुनाव की घोषणा कर सकते हैं।

यूक्रेन पर रूस के ताजा हमले से अमेरिका में हलचल, ट्रंप ले सकते हैं बड़ा फैसला

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)/ वाशिंगटन (अमेरिका)। रूस के यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले से वाशिंगटन में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वे रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। ट्रंप से व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों ने सवाल किया-अब मॉस्को के प्रति क्या इरादा है? ट्रंप ने कहा कि वह बड़ा फैसला लेंगे। यूक्रेन के अखबार कीव पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, हम अब इस प्रतिस्पर्धा में हैं कि यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है, बनाम रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है? बेसेंट ने कहा कि यही नहीं, अब अमेरिका रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए यूरोपीय देशों के साथ साझेदारी करने को तैयार है।

जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग प्रमुख से बातचीत की

उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर और प्रतिबंध और अतिरिक्त टैरिफ लगाएं तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और मजबूर होकर राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत के लिए आगे आना पड़ेगा। बेसेंट ने कहा कि हमले के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन से चर्चा की है। उन्होंने कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं। हम रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है।

अमेरिकी दूतावास ने हमले की निंदा की

इस हमले पर कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर हमले में एक मां और एक शिशु की बेवजह हत्या और अभूतपूर्व पैमाने पर विनाश की निंदा की है। यूक्रेन के लिए ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने भी सोशल मीडिया पर लिखाॽ किसी भी युद्ध में खतरा तनाव का बढ़ना होता है। ऐसा लगता है कि रूस युद्ध को और बढ़ा रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा हमला कीव स्थित कैबिनेट के कार्यालय पर हुआ है। केलॉग ने इसके लिए रूस को चेताया भी है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट बोले- कार्रवाई का वक्त आ गया

इस हमले पर कैपिटल हिल में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस (आर-एनसी) ने सोशल मीडिया पर लिखाॽ राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्ते पहले पुतिन से मिले थे। तब से, पुतिन अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने के लिए अपने साथी सत्तावादियों से मिले हैं। फिर वह अपने अवैध आक्रमण की शुरुआत के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले को मंजूरी देने के लिए मॉस्को लौट आए। अब इस झूठे और हत्यारे को रोकने का समय आ गया है। सीनेटर जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन-टेक्सास) ने भी इसी भावना को दोहराया। विदेश नीति पर अग्रणी डेमोक्रेट सीनेटर जीन शाहीन (डेमोक्रेट-न्यू हैम्पशायर) ने रूस तुरंत प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहाॽ पुतिन ने निर्दोष यूक्रेनियों पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। जब तक ट्रंप कार्रवाई नहीं करते, ये हमले जारी रहेंगे। अब और समय सीमा नहीं बढ़नी चाहिए। रिपब्लिकन कांग्रेसी ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक (रिपब्लिकन-पेंसिल्वेनिया) ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य बताया। उन्होंने कहा, यह सैन्य रणनीति नहीं है। यह आतंक है। जानबूझकर और सोची-समझी रणनीति। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने रूस के देश पर अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद कैबिनेट भवन के अंदर हुई तबाही दिखाई। इस हवाई हमले में कीव के मध्य भाग में चार लोग मारे गए हैं।

डियाजियो का भारत में अपने कारोबार में विस्तार का इरादा

एजेंसी
नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी शराब कंपनियों में से एक ब्रिटेन की 'डियाजियो' कंपनी धीरे-धीरे भारत में अपना विस्तार कर रही है।कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि डियाजियो भारत में अपनी सहायक इकाई 'डियाजियो इंडिया' के माध्यम से कारोबार रही है और भविष्य में इसका अपने बिजनेस में विस्तार करने का इरादा है। गौरतलब है कि यह कंपनी दुनिया के 180 देशों में कारोबार कर रही है और इसने पिछले वर्ष 27 अरब डॉलर का कारोबार किया था। कंपनी भारत में तेजी से अपना विस्तार कर रही है। डियाजियो के कई फेमस ब्रांड में मैक डॉवेल्स, रॉयल चैलेंज जॉनी वॉकर सिग्नेचर, ब्लैकडॉग, ब्लैक एंड वाइट आदि हैं।कंपनी ने हाल में रॉयल चैलेंज अमेरिकन प्राइड, जॉनी वॉकर ब्लॉन्ड जैसे ब्रांड्स लॉन्च किए और कई छोटी कंपनियों को भी खरीदा है।कंपनी ने शनिवार को गुरूग्राम में रॉयल चैलेंज अमेरिकन प्राइड 'रोडियो नाइट्स' की शुरुआत की और शहर के युवाओं में जोश भर दिया। अमेरिकाना और वाइल्ड वेस्ट की भावना से प्रेरित इस कार्यक्रम में संगीत, गेम्स और नृत्य जबरदस्त संगम देखने को मिला। गुरुग्राम के सोका में आयोजित इस कार्यक्रम को खासतौर पर युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया था।

एफपीआई ने पहले सप्ताह निकाले 9,431 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 9,431 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। केंद्रीय डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने बीते सप्ताह इक्विटी में 12,257 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। डेट को छोड़कर अन्य सभी सेगमेंट में वे बिकवाल रहे। डेट में उन्होंने 3,534 करोड़ रुपये लगाये। आलोच्य सप्ताह में म्यूचुअल फंड में एफपीआई निवेश 742 करोड़ रुपये घट गया। वहीं हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 42.38 करोड़ रुपये की निकासी की। यह लगातार चौथा महीना है जब एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 20,635 करोड़ रुपये, जुलाई में 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये निकाले थे। इस साल मार्च और मई को छोड़कर शेष सभी महीने वे बिकवाल रहे हैं। पूरे कैलेंडर वर्ष में उनकी शुद्ध निकासी 51,471 करोड़ रुपये रही थी।

गेहूं-चावल नरम; खाद्य तेलों में घटबढ़, चीनी और दालें भी सस्ती

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह मंदी रही। चावल के औसत भाव गिर गये। गेहूं में भी गिरावट रही। खाद्य तेलों में घटबढ़ देखी गयी जबकि चीनी और दालों में साप्ताहिक नरमी का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 51 रुपये कम होकर सप्ताहांत पर 3,776.83 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। वहीं, गेहूं करीब सात रुपये सस्ता होकर 2,848.96 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत कमोबेश स्थिर रही और सप्ताहांत पर यह 3,312.11 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 63 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल में करीब 147 रुपये और वनस्पति में 151 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक मंदी रही। सोयाबीन तेल 44 रुपये और सूरजमखी तेल 62 रुपये सस्ता हुआ। वहीं, पाम ऑयल 47 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम घट गये। चना दाल औसतन करीब 67 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। उड़द दाल में 30 रुपये और दाल मूंग में 52 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। तुअर दाल भी 113 रुपये उतर गयी। मसूर दाल में 17 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह नरमी देखी गयी। गुड़ के औसत भाव 19 रुपये प्रति क्विंटल और चीनी के नौ रुपये प्रति क्विंटल टूट गये।

इंडियन बैंक सुरक्षित वेब पोर्टल पर स्थानांतरित हुआ

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट का डोमेन बदलकर 'इंडियन बैंक डॉट बैंक डॉट इन' कर दिया है। पूरी कवायद का मकसद धोखाधड़ी के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय करना और डिजिटल बैंकिंग समाधानों में जनता का भरोसा बढ़ाना है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान (आईडीआरबीटी) के तहत यह पहल की है, जो इस डोमेन का विशेष रजिस्ट्रार है। बैंक ने एक बयान में कहा, 'बैंक डॉट इन' डोमेन विशेष रूप से बैंकों के लिए आरक्षित है और धोखाधड़ी से निपटने, साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल बैंकिंग में जनता का विश्वास बढ़ाने और ग्राहकों को वास्तविक बैंकिंग वेबसाइटों की पहचान करने में मदद करता है। बयान में कहा गया कि बैंक ने ग्राहकों की सुरक्षा और सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए वेबसाइट को एक सुरक्षित डोमेन पर स्थानांतरित कर दिया है।

स्टॉक मार्केट में रचित प्रिंट्स की बड़ी गिरावट के साथ शुरुआत, कमजोर लिस्टिंग के बाद और लुढ़का शेयर

एजेंसी
नई दिल्ली । मैट्रेस इंडस्ट्री के लिए खास तरह के फैब्रिक तैयार करने वाली कंपनी रचित प्रिंट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 149 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 119.20 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कंपनी के शेयरों के भाव में और गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे कंपनी के शेयर 114 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.49 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। रचित प्रिंट्स का 19.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 1 से 3 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.97 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.25 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13.09 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 32 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.03 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 12 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 41.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारत, इजराइल इस हफ्ते द्विपक्षीय निवेश संधि पर कर सकते हैं हस्ताक्षर

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और इजराइल एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। ये समझौता इजराइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच की इस हफ्ते होने वाली भारत यात्रा के दौरान हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि इस हफ्ते इजराइल के वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान

भारत और इजराइल आपस में एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की नींव भी रख सकते हैं। जानकारी के मुताबिक बेजेल स्मोट्रिच इस हफ्ते 8 से 10 सितंबर तक भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, इजराइली वित्त मंत्री मुंबई और गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी का भी दौरा करेंगे।

ऑडी ने 7.8 लाख रुपये तक घटाये वाहनों के दाम, नई कीमतें 22 सितंबर से होगीं लागू

एजेंसी
नई दिल्ली। जर्मन लग्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने सोमवार को भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख रुपये तक कटौती का ऐलान किया है। नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होगीं। ऑडी इंडिया ने एक बयान में कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव के बाद उसने अपने सभी उत्पाद पोर्टफोलियो की कीमतों में संशोधन किया है, ताकि ऑटोमोबाइल पर जीएसटी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके। अब ग्राहकों को मॉडल के आधार पर 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा। कंपनी के मुताबिक नई कीमतों के तहत कंपनी की एंट्री-लेवल एसयूवी क्यू3 की शुरुआती कीमत 43.07 लाख रुपये हो जाएगी, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। इसी तरह टॉप-एंड एसयूवी क?यू8 की शुरुआती कीमत 1.18 करोड़ रुपये से घटकर अब 1.1 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसके अलावा एसयूवी क्यू5 और क्यू7 जैसे अन्य मॉडलों के साथ-साथ सेडान ए4 और ए6 की कीमतों में भी कमी की गई है। कंपनी ने कहा कि संशोधित कीमतें लागू होने के बाद ऑडी की लक्जरी कारों और एसयूवी रेंज को और अधिक सुलभ बनाएगी, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों की मांग में तेजी आएगी। ग्राहक अपनी पसंदीदा कार की सटीक कीमत जानने के लिए ऑडी इंडिया के नजदीकी डीलरशिप पर जा सकते हैं या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

अगस्त में सुस्त रही वाहनों की खुदरा बिक्री

एजेंसी
नई दिल्ली। त्योहारी मौसम और जीएसटी में राहत के इंतजार में अगस्त में ग्राहकों ने अपनी खरीद टाल दी जिससे वाहनों की खुदरा बिक्री में सुस्ती देखी गयी।

वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अगस्त में यात्री वाहनों (कार, एसयूवी और वैन) की बिक्री अगस्त 2024 के मुकाबले मात्र 0.93 प्रतिशत बढ़ी और कुल बिक्री 3,23,256 इकाई रही। दुपहिया वाहनों में भी 2.18 फीसदी की मामूली तेजी देखी गयी और कुल 13,73,775 वाहन बिके। वाहनों की कुल बिक्री 2.84 फीसदी बढ़कर 19,64,547 इकाई रही।

फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विघ्नेश्वर बताया कि 15 अगस्त को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों की प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी खरीद टाल दी। हालांकि डीलरों के पास पूछताछ काफी आयी, लेकिन वह बिक्री में पूरी तरह से नहीं बदल सकी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि 22 सितंबर को जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक खरीद करेंगे। अगस्त में तिपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 2.26 प्रतिशत घट गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 8.55 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी। अच्छे मानसून के कारण ट्रैक्टरों की बिक्री में 30.14 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल आया।

फाडा का कहना है कि निकट भविष्य में सितंबर में त्योहारी मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। अच्छी विकास दर, कम मुद्रास्फीति और अर्थव्यवस्था में स्थिरता मांग को गति प्रदान कर रही है। उसने बताया कि जीएसटी सुधार वाहन उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होंगे।

उसने कहा कि सितंबर में दो तरह की तस्वीरें देखने को मिलेंगी। जीएसटी सुधारों के लागू होने से पहले खरीद में सुस्ती रहेगी जबकि 22 सितंबर से इसमें जबरदस्त तेजी आयेगी।

सर्राफा बाजार में नई ऊंचाई पर सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज की तेजी के कारण सोना ने आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर अपनी जगह बना ली है। बाजार में आई तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 1.08 लाख रुपये के स्तर को पार कर गया है, वहीं 22 कैरेट सोना 1 लाख रुपये के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। सोने की तरह ही चांदी भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है।कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,08,460 रुपये से लेकर 1,08,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 99,350 रुपये से लेकर 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,27,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,08,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,08,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,08,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 99,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,08,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 99,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,08,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,08,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,08,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 99,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इजराइली वित्त मंत्री स्मोट्रिच की भारत यात्रा, आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। इजराइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान उनका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करना है। श्री स्मोट्रिच अपने भारतीय समकक्ष और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगे।

द्विपक्षीय निवेश संधि पर होगी बात

इस यात्रा का एक प्रमुख एजेंडा दोनों देशों के बीच लंबित द्विपक्षीय निवेश संधि को जल्द से जल्द अंतिम रूप देना है। यह संधि दोनों देशों के निवेशकों को एक सुरक्षित और स्थिर कानूनी ढांचा प्रदान करेगी, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा। दोनों ही पक्ष इस संधि पर जल्द हस्ताक्षर करने को लेकर उत्साहित हैं।

तकनीक और व्यापार में सहयोग

स्मोट्रिच की इस यात्रा के दौरान केवल निवेश ही नहीं, बल्कि तकनीक, रक्षा, कृषि और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। इस यात्रा को दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एससीओ व्यापार मंत्रियों की बैठक में भारत ने निर्यात उपायों के दुरुपयोग पर आगाह किया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने एससीओ बैठक में निर्यात संबंधी उपायों को हथियार बनाने या उनका दुरुपयोग करके कृत्रिम कमी पैदा करने, बाजार को बिगाड़ने या आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के प्रति आगाह किया है। वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत ने छह सितंबर को व्लादिवोस्तोक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के व्यापार मंत्रियों की बैठक में कहा कि अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में भरोसा बनाए रखने के लिए इन कदमों का संतुलित और पारदर्शी उपयोग जरूरी है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री का प्रतिनिधित्व करते हुए वाणिज्य विभाग के अपर सचिव अमिताभ कुमार ने बैठक में विश्व व्यापार संगठन (डबल्यूटीओ) को केंद्र में रखते हुए एक खुली, निष्पक्ष, समावेशी और भेदभाव रहित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। भारत ने यह भी कहा कि व्यापार से जुड़े जलवायु उपायों के चलते अनुचित भेदभाव नहीं होना चाहिए।

मंत्रालय के मुताबिक भारत ने अधिक बाजार पहुंच सुनिश्चित करके और व्यापार सुविधा के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाकर लगातार व्यापार घाटे को दूर करने का भी आह्वान किया। ये टिप्पणियां इसलिए अहम हैं, क्योंकि भारत के वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को चीन के दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक और उर्वरक पर निर्यात प्रतिबंधों के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ा है। चीन भी इस संगठन का सदस्य है।

एससीओ व्यापार मंत्रियों की बैठक में भारत ने निर्यात उपायों के दुरुपयोग पर आगाह किया।

हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्द्धन चितले को सीईओ नियुक्त किया, पांच जनवरी को संभालेंगे कार्यभार

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्धन चितले को अपना अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे 5 जनवरी 2026 को अपना पदभार संभालेंगे। हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद हर्षवर्धन चितले को अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। चितले के पास पिछले 3 दशकों से अधिक समय तक वैश्विक नेतृत्व करने का अनुभव है। उनका कार्यकाल 5 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। कंपनी ने बताया कि चितले के सीईओ का पद संभालने के बाद विक्रम कस्बेकर कार्यवाहक सीईओ का पद छोड़ देंगे। चितले ने सिग्निफाई के प्रकाश समाधानों के व्यवसाय के वैश्विक सीईओ के रूप में काम किया है, जहां उन्होंने 70 देशों में 12,000 कर्मचारियों का नेतृत्व किया। उनके पास औद्योगिक स्वचालन, प्रकाश व्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और डिजिटल परिवर्तन में गहरी विशेषज्ञता है। हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी चेयरमैन पवन मुंजाल ने एक बयान में कहा, वृद्धि को गति देने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक परिवर्तन का नेतृत्व करने में हर्षवर्धन चितले का उत्कृष्ट रिकॉर्ड उन्हें इस महत्वपूर्ण क्षण में हीरो मोटोकॉर्प के लिए आदर्श नेता बनाता है। हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्धन चितले की नियुक्ति ऐसे समय में की है, जब कंपनी ने अगस्त महीने में भारत में दोपहिया वाहनों की बिक्री में शीर्ष स्थान जापान की होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के हाथों खो दिया है।

राजस्थान सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा के लिए आरवीयूएनएल को भूमि आवंटित की

नई दिल्ली। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार ने जैसलमेर और बीकानेर जिलों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा आधारित पार्कों की स्थापना के लिए राजस्थान बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) को भूमि आवंटित की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि जैसलमेर में 26,400 मेगावाट (मेगावाट) की संयुक्त क्षमता वाले विभिन्न सौर पार्कों के लिए भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है।इसी तरह बीकानेर में 5,200 मेगावाट क्षमता वाले सौर पार्कों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। राज्य के टिकाऊ विकास और ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप, ये मंजूरियां नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की स्थिति को मजबूत करेंगी। शर्मा ने कहा कि यह पहल न केवल राजस्थान को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी बनाएगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा- अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सकारात्मक संकेतों के सपोर्ट से बढ़त के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

एजेंसी
नई दिल्ली। जीएसटी सिस्टम में किए गए सुधार, घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी और अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेतों के कारण पिछले सप्ताह के कारोबार में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। शुक्रवार 05 सितंबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 901.11 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 314.15 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,741 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्विगी, टीवीएस मोटर कंपनी, जिंदल स्टील और आयशर मोटर्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। इसी तरह बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1 सितंबर से 5 सितंबर के कारोबार के बाद 2 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल रेल विकास निगम ब्रेनबीज सॉल्यूशंस और एनएमडीसी के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स सबसे अधिक 2.5 प्रतिशत की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल वन मोबिक्विक सिस्टम्स, अतुल ऑटो, नेट वेब टेक्नोलॉजीज इंडिया, गुजरात मिनिरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, जाइडस वेलनेस, विमता लैब्स, जय कॉर्प, रेटगेन ट्रैवल टेक्नोलॉजीज और हेमिस्फेयर प्रॉपर्टीज इंडिया के शेयर 20 से लेकर 39 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें, तो पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का मेटल इंडेक्स 6 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह भी बीएसई का ऑटोमोबाइल इंडेक्स 5.2 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इसके अलावा बीएसई का कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 3.6 प्रतिशत की साप्ताहिक उछाल के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, बीएसई का आईटी इंडेक्स 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। स्टॉक मार्केट में इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के परफॉर्मेंस की बात करें, तो पिछले सप्ताह भी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली जारी रखी। लगातार 10वें सप्ताह बिकवाली करते हुए विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में पूरे सप्ताह के दौरान 5,666.90 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार 21वें सप्ताह खरीदार (बायर) की भूमिका में बने रहे। इस सप्ताह घरेलू संस्थागत निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में कुल 13,444.09 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की।

सपना पूरा करो... इधर

शहनाज गिल

ने सलमान से की रिक्वेस्ट, उधर भाई की हुई वाइल्ड कार्ड एंट्री!

शहनाज का सपना पूरा करेंगे सलमान?

जितना एक्साइटेड फैन्स बिग बॉस के हर नए सीजन के लिए रहते हैं. उससे कई ज्यादा इंतजार सलमान खान और वीकेंड के वार का रहता है. जब वो आते हैं और कई कंटेस्टेंट्स की अपने स्टाइल में क्लास लगाते हैं. 'बिग बॉस 19' के इस वीकेंड के वार में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला. जहां फरहाना को सच का आईना दिखाया गया. पर अब नए प्रोमो ने बिग बॉस फैन्स को खुश कर दिया है. मंच में सलमान खान के साथ शहनाज गिल दिखाई दे रही हैं. क्या वो अपने भाई को छोड़ने पहुंची हैं ?दरअसल इस वीकेंड के वार के पहले दिन सलमान खान इमोशनल होते दिखाई दिए. जब कुनिका सदानंद के दूसरे बेटे ने शो में पहुंचकर मां के स्ट्रगल के बारे में सबको बताया. साथ ही पहले बेटे के लिए लड़ी लड़ाई का भी जिक्र किया. हालांकि, अब कलर्स वालों ने नया प्रोमो शेयर कर दिया है, जिसमें सलमान के साथ शहनाज गिल नजर आ रही हैं.

सलमान से शहनाज ने क्या कहा ?

दरअसल नए प्रोमो में सलमान खान ने शहनाज गिल का जबरदस्त अंदाज में स्वागत किया. वो कहते दिखे कि- अरे इंडिया की शहनाज गिल. आते ही एक्ट्रेस ने सलमान खान को गले लगाया. इस दौरान शहनाज कहती हैं कि मैं आपसे कोई रिक्वेस्ट करने आई हूं, जिसपर भाईजान ने कहा बोलो. वो बोलती हैं- जो सपना है वो पूरा कर दो अब. हालांकि, बाद में सलमान खान हंसने लगे. इस दौरान शो में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री करवाई गई है. ऐसी खबरें हैं कि शहनाज गिल के भाई शहबाज शो में आ रहे हैं.

दरअसल शुरुआत में मृदुल और शहबाज के बीच एक कॉम्पिटिशन था. जहां मृदुल तिवारी को घर का हिस्सा बनाया गया. अब वाइल्ड कार्ड एंट्री के तौर पर शहनाज के भाई का नाम सामने आ रहा है. देखना होगा कि कौन है वो कंटेस्टेंट, जिसे देखने के बाद घर वाले भी खुश हो गए. इसके अलावा मुनव्वर फारूकी मंच में दिखे. जहां उन्होंने कुछ कंटेस्टेंट्स को जमकर रोस्ट किया है. उनकी रोस्टिंग देखकर सलमान खान भी जोर-जोर से हंसने लगे.

अमाल की भी लगाई क्लास

सलमान खान ने अमाल मलिक की बार-बार सोने को लेकर जमकर क्लास लगाई है. वो कहते दिखे कि क्या आप यहां पर सोने आए हो. जो बताने आए वो बताया नहीं, तो किस चीज का इंतजार किया जा रहा है. साथ ही कहा कि जैसी आपकी बाहर इमेज थी, उससे और भी ज्यादा खराब होती जा रही है.

'बाहुबली' में काम करने वाली थीं श्रीदेवी, इस वजह से नहीं बन पाई बात, पति बोनी कपूर ने खोला बड़ा राज

वो झूठ और श्रीदेवी के हाथ से निकली बाहुबली

10 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'बाहुबली' भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर साबित हुई थी. साउथ की इस फिल्म को हिंदी दर्शकों ने भी खूब पसंद किया था. वहीं बाहुबली ने दुनियाभर में ताबड़तोड़ कमाई की थी. ये फिल्म बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी को भी ऑफर हुई थी. हालांकि उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया था. सालों बाद श्रीदेवी के पति बोनी कपूर ने इसे लेकर एक बड़ा खुलासा किया है और बताया कि फिल्म के प्रोड्यूसर द्वारा फैलाई गई गलतफहमी और झूठ के चलते ये सब हुआ था.जब श्रीदेवी ने बाहुबली को रिजेक्ट कर दिया था तब फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजामौली ने दावा किया था कि श्रीदेवी ने होटल का पूरा फ्लोर, अपने साथियों के लिए फ्लाइट के टिकट और 10 करोड़ रुपये की फीस मांगी थी. हालांकि श्रीदेवी ने दावों को झूठा बताया था. अब बोनी कपूर ने अपनी पत्नी द्वारा इस फिल्म को ठुकराने की असली वजह का खुलासा किया है.

हाल ही में बोनी ने एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में बताया कि एसएस राजामौली श्रीदेवी को अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे. बोनी के मुताबिक आज भी उनके पास राजामौली का एक मैसेज है, जिसमें उन्होंने लिखा था कि वो श्रीदेवी के फैन हैं. लेकिन, जब उनसे बातचीत हुई तो उनके प्रति सम्मान और बढ़ गया. क्योंकि एक्ट्रेस ने जो सुझाव दिए थे, वो उन्हें पसंद आए थे.

श्रीदेवी ने क्यों रिजेक्ट की थी 'बाहुबली' ?

बोनी ने आगे बताया कि श्रीदेवी को लेकर प्रोड्यूसर शोबू यार्लागड्डा ने गलतफहमी फैलाई थी. इसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्म में काम नहीं किया. बोनी ने आगे बताया, फिल्म के लिए राजामौली हमारे घर आए थे. हमने बातचीत की और जब वो कमरे से बाहर गए तो श्रीदेवी को प्रोड्यूसर ने उनकी साल 2012 की फिल्म 'इंग्लिश विंग्लिश' से भी कम फीस ऑफर की थी. वो स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस नहीं थी. आपको उन्हें कास्ट करके फायदा ही मिल रहा था. मैं अपनी पत्नी से ऐसा क्यों करवाऊंगा ?

श्रीदेवी को लेकर प्रोड्यूसर ने कहा था झूठ

बोनी ने आगे कहा था कि शोबू ने राजामौली से श्रीदेवी की फिल्म को लेकर फीस के बारे में झूठ कहा था. बोनी ने कहा, मुझे लगता है कि प्रोड्यूसर ने राजामौली को अपने ऑफर के बारे में कभी नहीं बताया. राजामौली से उन्होंने ये कहा था कि श्रीदेवी होटल का पूरा फ्लोर चाहती हैं, टीम चाहती हैं, लेकिन हम सिर्फ ये चाहते थे कि बड़े शूट तब हों, जब हमारे बच्चों की छुट्टियां हों.

वो मेरी बड़ी बहन हैं... Jaya Bachchan के गुस्से पर बॉलीवुड एक्टर Annu Kapoor ने किया रिएक्ट

बॉलीवुड एक्टर अन्नू कपूर कई फिल्मों में काम कर चुके हैं और वे टीवी की दुनिया का भी बहुत बड़ा नाम रहे हैं. अन्नू कपूर ने हाल ही में टीवी9 भारतवर्ष के खास कार्यक्रम सत्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखी और कई सवालों के जवाब दिए.

जहां एक तरफ उन्होंने अपने बचपन के संघर्षों को याद किया तो वहीं दूसरी तरफ उन्होंने राजनीति से जुड़े सवालों में भी दिलचस्पी ली. इसके अलावा एक्टर से बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस जया बच्चन के गुस्से के बारे में भी सवाल किया गया. अन्नू कपूर ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी.

अन्नू ने जया के बारे में क्या कहा ?

अन्नू कपूर से सत्ता सम्मेलन के दौरान जया बच्चन के गुस्से को लेकर सवाल किया गया और उन्हें जया की क्लिप्स भी दिखाई. इसपर अन्नू कपूर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि- 'मैं समझ गया कि आप मेरी बड़ी बहन की बात कर रहे हो.' इसके आगे अन्नू ने जया के बारे में कहा- मैंने एक तो ऐसा होते देखा नहीं. जो आप दिखा रहे हैं वो आप सही दिखा रहे होंगे जिस एंगल से आपने किया है. लेकिन जया बच्चन मेरी बड़ी बहन हैं और मैं अपनी बड़ी बहन के बारे में कुछ नहीं बोलना चाहूंगा.

4 सुपरस्टार्स में से बेहतर कौन ?

इसके बाद रैपिड फायर राउंड में उनसे कुछ ऑप्शनल सवाल पूछे गए. उनसे पूछा गया कि कंगना रनौत और जया बच्चन में से बेहतर राजनेता कौन है. जवाब में अन्नू कपूर ने कहा कि जया बच्चन उनकी बड़ी बहन हैं और कंगना रनौत उनकी छोटी बहन हैं.

इससे ज्यादा उन्हें कुछ नहीं पता.वहीं उनसे पूछा गया कि दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को बेहतर एक्टर के हिसाब से रैंक करना है. इस दौरान अन्नू कपूर ने एक्टिंग के मामले में पहले नंबर पर दिलीप कुमार को रखे. दूसरे नंबर पर अमिताभ बच्चन को रखा. तीसरे नंबर पर अन्नू ने शाहरुख खान को रखा और चौथे नंबर के लिए उन्होंने राजेश खन्ना को चुना. वर्क फ्रंट की बात करें तो अन्नू कपूर अब अरशद वारसी और अक्षय कुमार की फिल्म जॉली एलएलबी 3 में नजर आएंगे.

प्रीति जिंटा

ने बाढ़ पीड़ितों की ओर बढ़ाया मदद का हाथ,पंजाब किंग्स ने दान किए 33.8 लाख

भारत के कई राज्य मौजूदा समय में भारी बारिश के कारण बाढ़ से ग्रस्त हैं। सबसे खराब स्थिति फिलहाल पंजाब की है। देश भर के सभी सेलिब्रिटी पंजाब के लिए दुआ कर रहे हैं। अब आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स की मालिकिन और एक्ट्रेस बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने राज्य में बाढ़ पीड़ितों के लिए अब लगभग 34 लाख डोनेट करने का फैसला किया है। इसके अलावा टीम क्राउडफंडिंग के जरिए भी 2 करोड़ जुटाने का प्लान बना चुकी है।

फ्रेंचाइजी ने खुद दान करने के बाद ऑनलाइन क्राउड फंडिंग ऐप केटो के जरिए 15 सितंबर तक 2 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा है। इन पैसों को फ्रेंचाइजी ग्लोबल सिख चैरिटी को देगी जिससे वो पंजाब के गांव-गांव में जाकर लोगों को मदद पहुंचा सके। फिलहाल राज्य के कई गांव और शहर में बाढ़ की वजह से हालत हद से ज्यादा खराब है। फ्रेंचाइजी ने इसके साथ ही बताया कि दान किए जा रहे फंड के जरिए रेस्क्यू बोट खरीदी जाएंगी जिसका इस्तेमाल बाढ़ प्रभावित इलाके में फंसे हुए लोगों को निकालने में और मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में काम लाया जाएगा। इसके अलावा जरूरत की चीजों और साफ पानी भी प्रभावित लोगों को तक पहुंचाने में इन पैसों का इस्तेमाल होगा।

खतरे के निशान से ऊपर पहुंचकर स्थिर हुआ यमुना का जलस्तर

औरैया। बीते चार दिनों से लगातार बढ़ रहा यमुना नदी का जलस्तर सोमवार को 113.13 मीटर पर जाकर स्थिर हो गया। जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर होने के बावजूद स्थिर होने से ग्रामीणों व प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

सिकरोड़ी पुल के बाद यमुना का पानी इटावाझ्औरैया संपर्क मार्ग तक पहुंच गया है। वहीं, गौहानी कला मार्ग पहले से ही बंद है। ग्रामीण नावों की मदद से अपने घरों तक आ-जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमें भेजी गई हैं, जो गांवों में पहुंचकर लोगों की जांच व दवा वितरण कर रही हैं।

कोटा बैराज व हथनी कुंड से छोड़े गए पानी ने यमुना का स्तर तेजी से बढ़ा दिया था, जिससे किनारे बसे गांवों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिकरोड़ी, गौहानी कला, गौहानी खुर्द, जाजपुर, असेवटा, जुहीखा, बडेरा, गूंज, ततारपुर और बबाईन सहित दर्जनों गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा था। कटान तेज होने से सड़क और खेत भी जलमग्न हो गए।

कई किसानों की मड़ैयां डूब गईं, जिससे लोग गांव छोड़कर ऊंचे स्थानों पर जाने की तैयारी में जुट गए थे।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछली बाढ़ की तबाही आज भी याद आते ही सिहरन पैदा कर देती है। यदि पानी और बढ़ा तो गांव पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। हालांकि अब जलस्तर स्थिर होने से हालात सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।

उपजिलाधिकारी निखिल राजपूत ने बताया कि यमुना का जलस्तर अब कम होना शुरू हो गया है। फिलहाल किसी खतरे की आशंका नहीं है, फिर भी प्रशासन सतर्क है और लगातार गांवों में जाकर राहत कार्य कर रहा है। स्वास्थ्य टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवा वितरण और मरीजों का उपचार कर रही हैं।

पीईटी परीक्षा के दौरान रेलवे ने की बेहतर व्यवस्थाएं, स्पेशल ट्रेनें चलाईं

बरेली । उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के दौरान रेलवे प्रशासन ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए खास इंतजाम किए। 6 और 7 सितम्बर को आयोजित परीक्षा में हजारों परीक्षार्थी बरेली पहुंचे, जिन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए रेलवे ने बरेली जंक्शन से कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया।

परीक्षार्थियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों ने दिनभर मोर्चा संभाले रखा। जंक्शन पर अतिरिक्त सहायता केंद्र खोले गए, जहां छात्रों को जानकारी और मदद दी जाती रही। साथ ही ट्रेनों की समय से उद्घोषणा होती रही जिससे परीक्षार्थियों को प्लेटफार्म पर भटकना न पड़े। खान-पान और पानी की व्यवस्था भी दुरुस्त रखी गई। भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले। वाणिज्य विभाग और आरपीएफ की टीम लगातार मैदान में रही और व्यवस्था संभालती रही। बावजूद इसके, अत्यधिक भीड़ के कारण रेलवे प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। परीक्षार्थियों और उनके परिजनों ने रेलवे की इन तैयारियों की सराहना की।

मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सय्यद इमरान चिश्ती ने बताया कि ह्लपीईटी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई। यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर और सहायता केंद्र खोले गए। हमारी टीम लगातार सक्रिय रही ताकि किसी परीक्षार्थी को असुविधा न हो।

प्रयागराज में पिता ने कुल्हाड़ी से बेटे को मौत के घाट उतारा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में सोरांव थाना क्षेत्र के

अहिबीपुर गांव में रविवार देर रात एक एक व्यक्ति ने अपने बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने हत्या करने वाले आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि सोरांव थाना क्षेत्र में स्थित अहिबीपुर गांव निवासी लालजी यादव रविवार रात शराब पीने को लेकर बेटे विनोद यादव 32 वर्ष से विवाद करने लगा। मामले को शांत कराने के लिए पत्नी और बेटी आगे आई तो दोनों को घर के अन्दर कमरे में बंद कर दिया और कुल्हाड़ी लेकर बेटे विनोद यादव की हत्या कर दी। हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपित को हिरासत में लिया और बेटे विनोद के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस टीम आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस संबंध में तहरीर लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवा भारती ने मार्टिनपुरवा में लगाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

लखनऊ। सेवा भारती की ओर से सोमवार को मार्टिनपुरवा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित केयिा गया। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ ही दवाएं भी वितरित की गयीं। शिविर में एलोपैथ और आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। जिला प्रचारक दौलत ने चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ किया। डॉ.

उमेश राय ने बताया कि वायरल फीवर के मरीज सबसे अधिक देखे गये। सबको दवाएं दी गयी हैं। शिविर में डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. विजय जायसवाल, डॉ. विवेक, डॉ. अनुराग शर्मा और डॉ. अभिषेक मौर्या ने अपनी टीम के साथ सेवाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता सुमित रावत, संघ के नगर व्यवस्था प्रमुख शशिकांत, नगर बौद्धिक प्रमुख अवधेश पाण्डेय, सामाजिक समरसता संयोजक अरविन्द पाण्डेय एडवोकेट समेत कई कार्यकर्ता भी व्यवस्था में लगे रहे।

प्रधानमंत्री मोदी 11 सितंबर को वाराणसी में मॉरीशस के अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय

वाराणसी (उत्तर प्रदेश) ,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 11 सितंबर को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ नदेसर स्थित एक तारांकित होटल में द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेंगे । वैश्विक कूटनीतिक के दृष्टि से महत्वपूर्ण इस वार्ता की तैयारियां चल रही है। जिला प्रशासन के अफसरों के अनुसार, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अब तीन दिवसीय दौरे पर काशी आएंगे। मेहमान प्रधानमंत्री 10 सितंबर की शाम काशी पहुंचेंग। वे 11 सितंबर को द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेंगे और देर शाम गंगा आरती देखेंगे। 12 सितंबर की सुबह श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करके वाराणसी से रवाना होंगे।

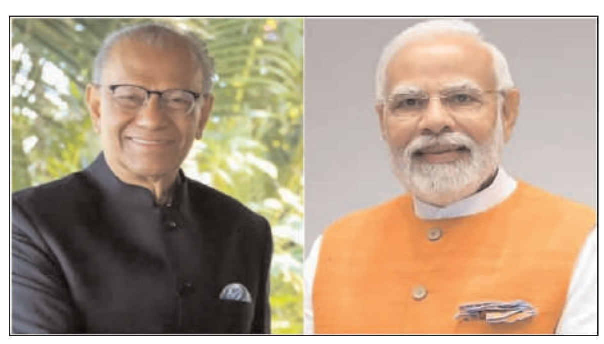

प्रधानमंत्री मोदी 11 सितंबर को दोपहर वाराणसी पहुंचेंगे। वाराणसी में उनका दौरा लगभग डेढ़ घंटे का रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी दोपहर 12 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे एयरपोर्ट से वायुसेना के हेलिकॉप्टर से पुलिस लाइन जाएंगे।

पुलिस लाइन से कड़ी सुरक्षा के बीच सड़क मार्ग के जरिये सीधे नदेसर स्थित ताज होटल पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री करीब डेढ़ बजे वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने सोमवार से विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया है। नगर आयुक्त के अनुसार इस विशेष सफाई अभियान का उद्देश्य न केवल प्रधानमंत्री के आगमन से पहले शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना है, बल्कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर पूरे शहर में स्वच्छता और सौंदर्यकरण का संदेश देना भी है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम को नोडल विभाग बनाया गया है।

चोरी में युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। कोरांव पुलिस ने धर्मेन्द्र कुशवाहा निवासी श्रीनगर पथरताल थाना कोरांव जनपद प्रयागराज को छड़गड़ा तिराहे के पास बन्द पड़ी राइस मिल से गिरफ्तार किया। तीन बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, इनके कब्जे से दो बोरी सरसो, पाँच बोरी गेहूँ, एक इलेक्ट्रानिक तराजू, दो इण्डेन गैस सिलिण्डर बड़े व 460 रुपए नगद बरामद किया है। बॉबी सैनी (ई0प्र0अ0) उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रीनगर पथरताल थाना कोरांव जनपद प्रयागराज द्वारा थाना में दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय का ताला तोड़कर विद्यालय में रखा दो गैस सिलेण्डर की चोरी का मुकदमा लिखा गया था ग्रामसभा पथरताल (श्रीनगर) स्थित चक्की प्लांट का ताला तोड़कर प्लांट में रखा दो बोरी सरसो तिलहन, पांच बोरी गेहूँ, एक इलेक्ट्रानिक तराजू व 2,000 रुपये नगद चोरी का भी मुकदमा दर्ज किया गया था।

गैंगरेप व हत्या में दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

कौशांबी। युवती से दुष्कर्म व हत्या करने वाले दोनों अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। 4 सितंबर को थाना कड़ा धाम अन्तर्गत गाँव सौरई बुजुर्ग के पास खेतों में सरपतों के बीच एक युवती की अर्धनग्न लाश मिली थी। तहरीर के आधार पर थाना कड़ा धाम में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान घटना में दो अभियुक्त प्रकाश में आये। सूचना के आधार पर दोनों अभियुक्तों धीरज यादव निवासी सौरई बुजुर्ग थाना कड़ा धाम, पिंटू यादव निवासी बहिला का पूरवा थाना थरियांव, फतेहपुर को थाना कड़ा धाम पुलिस और एसओजी टीम व थाना पिपरी पुलिस द्वारा मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया।

नोएडा में पटाखे बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में अवैध पटाखा फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। आगामी त्योहारों को देखते हुए अवैध रूप से पटाखे बनाने का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध होने के बावजूद इन इलाकों में पटाखों का निर्माण, भंडारण, बिक्री का कार्य हो रहा है। इसका खुलासा सोमवार को उस वक्त हुआ है जब दादरी थाना की पुलिस ने पटाखा बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

थाना दादरी के प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर ग्राम बोडाकी में निमार्णाधीन एक मकान में पटाखे बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का पदार्फाश हुआ है। यहां से रामलखन, आजाद और राजेन्द्र को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 1004 किलोग्राम निर्मित पटाखा (अनार), 100 बोरी (नलकी) पटाखा (अनार बनाने की), 53.6 किलोग्राम मैग्नीशियम पाउडर, 74.8 किलोग्राम स्मैक लेस पाउडर, 68.4 किलोग्राम कटन पाउडर, 37.9 किलोग्राम टीआई पाउडर, 29.4 किलोग्राम द्रव्य पदार्थ, 28.3 किलोग्राम गोंद, 12.6 किलोग्राम डब्ल्यू पाउडर, 10 किलोग्राम पीओपी पाउडर, 10 किलोग्राम फेविकॉल, 6 दाब मशीन, 1 इलेक्ट्रॉनिक दाब मशीन मय मोटर, 1 स्प्रे मशीन, 1 इलेक्ट्रिक कांटा, 5 टेप कटर, 7 हथौड़ी, 2 मिसल, 1 धुरमुट, 3 बण्डल डेटोनेटर तार, 1 कार्टून सफेद टेप, 1 कार्टून पारदर्शी टेप, 9 कट्टे लाल मिट्टी, 5 बोरी गत्ता, 2 कार्टून लेवल, 2 खाली ड्रम प्लास्टिक, 2 ड्रम गत्ता, 3 छोटे ड्रम गत्ता, 3 टब प्लास्टिक, 2 क्रेट प्लास्टिक सहित अन्य सामान बरामद की गई है। यह पटाखे दशहरा व दीपावली पर्व पर अवैध रूप से बेचने के लिए तैयार किए जा रहे थे। इनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी : पितृ पक्ष में प्रतिपदा का श्राद्ध करने के लिए उमड़े लोग

वाराणसी। भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष की शुरूआत हो गई। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में पितृपक्ष के प्रतिपदा श्राद्ध के लिए सोमवार को लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रतिप्रदा श्राद्ध तिथि पर उनके परिजनों ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए गंगा तट और अनादि विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड पर श्राद्ध कर्म किया। तिथि पर लोगों ने पिंडदान, तर्पण और विधि विधान से श्राद्ध कर्म किया। जिनके पूर्वजों की अकाल मृत्यु हुई थी, उन्होंने श्रद्धापूर्वक कर्मकांडी ब्राम्हणों से त्रिपिंडी श्राद्ध कराया। श्राद्धकर्म के लिए दूर-दराज के प्रांतों से श्रद्धालु रविवार को ही शहर में आ गये थे। अलसुबह से ही गंगा तट और पिशाचमोचन कुंड गुलजार हो गया।

गया जाने के पूर्व पिशाचमोचन कुंड पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने के लिए लोग श्राद्ध कर्म सुबह से करते रहे। माना जाता है कि तर्पण और श्राद्ध कर्म से पितृदोष से मुक्ति के साथ पितरों की आत्मा भी तृप्त होती है। तर्पण न करने से पितरों को मुक्ति नहीं मिलती और उनकी आत्मा भी मृत्यु लोक में भटकती है। ऐसे में पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया जाता है।

पिशाचमोचन कुंड स्थित शेरवाली कोठी के वयोवृद्ध कर्मकांडी पं. श्रीकांत मिश्र और प्रदीप पांडेय ने बताया कि पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण और उनकी पूजा करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। पितृपक्ष में तीन पीढ़ियों तक के पिता पक्ष के तथा तीन पीढ़ियों तक माता पक्ष के पूर्वजों के लिए तर्पण किया जाता हैं। इन्हीं को पितर कहते हैं। दिव्य पितृ तर्पण, देव तर्पण, ऋषि तर्पण और दिव्य मनुष्य तर्पण के पश्चात ही स्व.पितृ तर्पण किया जाता है। पितृपक्ष में अपने पितरों के निमित्त जो अपनी शक्ति सामर्थ्य के अनुरूप शास्त्र विधि से श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करता है, उसके जीवन में सभी कार्य सिद्ध होते हैं और घर, परिवार, वंश बेल की वृद्धि होती है। पितृदोष के शमन के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध किया जाता है।

उन्होंने बताया कि सनातन हिन्दू धर्म में ये श्राद्ध कर्म सबके लिए है। पूर्वजों की आत्मा की प्रसन्नता के लिए कम से कम तीन बार त्रिपिंडी श्राद्ध अवश्य वंशजों को करना चाहिए। इससे अधिक बार भी कर सकते है। विमल तीर्थ पर श्राद्ध कर्म का इतिहास हजारों साल पुराना है। इस कुंड पर श्राद्ध कर्म का उल्लेख स्कंद महापुराण और गरुड़ पुराण में भी हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब सूर्य नारायण कन्या राशि में विचरण करते हैं तब पितृलोक पृथ्वी लोक के सबसे अधिक नजदीक आता है। श्राद्ध का अर्थ पूर्वजों के प्रति श्रद्धा भाव से है। जो मनुष्य उनके प्रति उनकी तिथि पर अपनी सामर्थ्य के अनुसार फल-फूल, अन्न, मिष्ठान आदि से ब्राह्मण को भोजन कराते हैं। इससे प्रसन्न होकर पितर अपने वंशजों को आशीर्वाद देकर जाते हैं। इसके पहले धर्म नगरी में रविवार को ही पितरों के प्रति श्रद्धा जताने के लिए तर्पण-अर्पण आदि के विधान भाद्रपद पूर्णिमा से आरंभ हो गए। मध्याह्न काल में लोगों ने मातृकुल के पितरों यथा नाना-नानी, परनाना, परनानी का श्राद्ध कर उनको तर्पण-अर्पण किया। श्राद्धपक्ष का यह पूरा पखवाड़ा पितृ विसर्जन 21 सितंबर तक चलता रहेगा। इस बीच में अपने पूर्वजों के निधन की तिथियों पर उनका श्राद्ध कर्म करते हुए लोग तर्पण-अर्पण करेंगे।

कैसे करें तर्पण

कर्मकांडी प्रदीप पांडेय बताते है कि हाथों में जल और काला तिल लेकर अंगूठे और तर्जनी के मध्य से उसे गिराते हुए ओम पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः&य मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। पिता, पितामह, प्रपितामह तथा इसी तरह मातृपक्ष के माता, मातामह, प्रमातामह का तर्पण पूरी श्रद्धा के साथ करना चाहिए। यदि इन सभी पूर्वजों की पुण्यतिथि ज्ञात हो, उनको उनकी तिथि पर और पुण्यतिथि न ज्ञात हो पूरे पक्ष भर प्रतिदिन तर्पण करते हुए सर्वपितृ अमावस्या को पितृ विसर्जन करते हुए ब्राह्मणों को यथाशक्ति भोजन कराना चाहिए।

हादसे में मृत मां-बेटी व भतीजे की उठी अर्थियां, अमावता गांव में छाया मातम

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के गांव अमावता में सोमवार को हृदयविदारक दृश्य देखने को मिला। यहां रविवार को सड़क हादसे में मृतक एक ही परिवार के तीन लोगों की अर्थियां एक साथ उठीं और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। तीनों की अंतिम यात्रा में हजारों ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी।

अमावता गांव निवासी वीरेश ने बताया कि गांव के धर्मेंद्र सेंगर खेती-किसानी के साथ फोटोग्राफी का काम करते हैं। उनका इकलौता बेटा कविन्द्र प्रताप सिंह उर्फ कपिल (24) रविवार को चाची सोनी (पत्नी हरिश्चंद्र सेंगर) और उनकी दो वर्षीय पुत्री परी को आंखों की समस्या के चलते इटावा में डाक्टर को दिखाने बाइक से लेकर गया था। उनके साथ सोनी की बड़ी बेटी अर्पणा भी थी। दवा लेने के बाद वापस लौटते समय अपर्णा अपनी नानी के यहां बिजौली में रुक गई और भतीजा कपिल अपनी चाचाी सोनी और उनकी मासूम बेटी परी को लेकर बाइक से आ रहा था। इटावा जनपद के बकेबर थाना क्षेत्र स्थित महेवा ओवरब्रिज के पास पहुंचते ही उनकी बाइक में सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

वीरेश ने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं गांव में भी मातम पसर गया। उन्होंने बताया कि इकलौते बेटे की मौत और शव देखकर पिता धर्मेंद्र बदहवास हो गए और बार-बार बेहोश होकर गिर जा रहे हैं। ग्रामीण लगातार उन्हें ढांढस बंधाते रहे। गांव वालों ने बताया कि मृतक कपिल बेहद होनहार और मिलनसार युवक था। वह हमेशा दूसरों की मदद के लिए आगे रहता था। उसकी अकाल मृत्यु से पूरा गांव शोकाकुल है। वहीं मां और मासूम बेटी की मौत को लेकर भी परिवार के साथ गांव में सभी की आंखें नम हैं। इस मामले में बकेवर थाना प्रभारी ने बताया कि पिकअप को कब्जे में लेकर कार्रवाई जारी है।

क्रिकेट खेलते समय ग्राउंड पर गिरा युवक, मौत

गौतमबुद्ध नगर। क्रिकेट खेलते समय एक व्यक्ति बेहोश होकर ग्राउंड पर गिर पड़ा। उपचार के लिए उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि राहुल जायसवाल (41) पुत्र सुशील जायसवाल निवासी ग्रेट वैल्यू शरण सोसायटी सेक्टर 107 सेक्टर 105 स्थित फॉर्चून स्कूल में बने ग्राउंड में 6 सितंबर की शाम के समय क्रिकेट खेल रहे थे। क्रिकेट खेलते समय वह अचानक मूर्छित होकर ग्राउंड पर गिर गए। गंभीर हालत में उपचार के लिए उन्हें नोएडा के फेलिक्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 39 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अगर वे इस मामले में कोई शिकायत करेंगे तो पुलिस घटना की जांच करेगी। पुलिस को शक है कि खेलते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हुई है।

20 दिनों से ठप नल की जलापूर्ति, ग्रामीण कुएं व झरनों का पानी पीने को विवश

मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के लहुरियादह व भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव में पिछले 20 दिनों से नल से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। बिजली

की समस्या के चलते ग्रामीणों को कुएं, बंधी और पहाड़ के झरनों से पानी लाकर पीने को मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीण रानी, छोटकी, लाजो, सुदामा, परमेश्वर, मिठाई, हीरामनी और सिद्धनाथ सहित अन्य लोगों ने बताया कि बीते तीन सप्ताह से नलों में पानी नहीं आ रहा है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

इस संबंध में एडीओ पंचायत हलिया रूपेश श्रीवास्तव ने बताया कि नल से जल आपूर्ति ठप होने पर ग्राम सचिव को टैंकर से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। वहीं जल निगम के अवर अभियंता अरुण प्रभाकर ने बताया कि गलरा गांव स्थित सीडब्ल्यूआर-5 से देवहट सीडब्ल्यूआर-8 तक बिजली की लो वोल्टेज की समस्या के कारण आपूर्ति बाधित है। विद्युत विभाग को अवगत करा दिया गया है और समस्या के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने पेयजल संकट को देखते हुए जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार से हस्तक्षेप कर समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है।

डिवाइडर से टकराई अनियंत्रित कार, चालक की मौत

गौतमबुद्ध नगर। नोएडा के थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के छलेरा गांव के पास एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में कार चालक की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सत्यपाल सिंह (56) सेक्टर 135 में रहता था। रविवार की शाम सत्यपाल अपनी कार में सवार होकर छलेरा गांव के पास से गुजर रहा था, तभी तेज गति के चलते कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में वह गंभीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321